प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

भिलाई संस्करण

गुरूवार, 06 जून 2024

वर्ष - 37, अंक - 330

पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए

डाक पंजीयन क्रं. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26

आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

दैनिक श्रमबिन्दु

37 वर्ष 1987-2023

भिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...

Email- srambindu@gmail.com
shrambindu@yahoo.in

आप भी समाचार भेज सकते है
वाट्सअप: 8349764019
9098178627
srambindu.com

खास खबर...

सौम्य-रानू को कोर्ट ने 14 दिन के लिए जेल भेजा

रायपुर। बहुचर्चित कोयला घोटाले में एक बार फिर से निलंबित आईएएस अफ़सर रानू साहू और राज्य सरकार की अफ़सर रही सौम्या चौरसिया को जेल भेज दिया गया है। बुधवार को विशेष कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश जारी किया। इसके मुताबिक अब 18 जून तक रानू साहू और सौम्या चौरसिया को जेल में रहना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि, आज रिमांड खत्म होने के बाद ईओडब्ल्यू ने दोनों को विशेष कोर्ट में पेश किया था। उधर प्रदेश के दूसरे बड़े घोटाले शराब कांड में आरोपी अनवर ढेबर, त्रिलोक सिंह ढिल्लो, अरुणपति त्रिपाठी और अरविंद सिंह को भी बुधवार को ही विशेष कोर्ट में पेश किया गया। इन आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर लेने के लिए यूपी एसटीएफने आवेदन लगाया था। यूपी एसटीएफके आवेदन पर भी आज विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। लेकिन इस बाबत कोई फैसला नहीं हो पाया। अब इस मामले में 10 जून को फिर से सुनवाई होगी।

15 टीचरों को मिला कारण बताओ नोटिस

रायपुर। रायपुर शिक्षा विभाग की नाफ़रमानी शिक्षकों को महंगी पड़ी है। विभाग ने 15 शिक्षकों को जारी कर जवाब तलब किया है। दरअसल शिक्षा विभाग की तरफसे 2 जून से छह जून तक हर दिन दो घंटे का आनलाइन प्रशिक्षण लेना था, लेकिन शिक्षकों ने ट्रेनिंग नहीं ली। 2 जून को अनुपस्थित रहने के बाद अनुपस्थित शिक्षकों को 3 जून को ट्रेनिंग लेनी थी, लेकिन शिक्षकों ने ट्रेनिंग नहीं ली, जिसके बाद 15 शिक्षकों को नोटिस जारी किया गया है।

डेली नीड्स दुकान में लगी भीषण आग से सब कुछ हुआ स्वाहा

भिलाई। नेहरूनगर केपीएस स्कूल के बाजु चौक पर स्थित एक डेली नीड्स की दुकान में भीषण आग लग गई। जिससे सारा सामान जलकर खाक हो गया। घटना सुपेला थाना क्षेत्र का है। जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के अनुसार 5 जून की सुबह करीब 5 बजे अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाए जिला दुर्ग को नेहरूनगर केपीएस स्कूल के बाजु चौक पर शीतल डेली निडस की दुकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन की टीमों तत्काल रवाना किया गया और वहाँ पहुँचकर अग्निशमन कर्मियों ने दुकान पर में लगी भीषण आग को बड़ी सावधानी से दो गाड़ी पानी की मदद से आग पर क़ाबू पाया।

तीसरी पारी के लिए नरेन्द्र मोदी को एनडीए का खुला समर्थन

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सदस्यों ने गठबंधन नेता के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को अपना समर्थन दिया है। यह घटनाक्रम अगली सरकार के गठन पर चर्चा के लिए लोकसभा चुनाव नतीजों के एक दिन बाद 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधान मंत्री के आवास पर हुई एनडीए की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद आया है।

प्रधानमंत्री आवास पर एनडीए सहयोगियों की बैठक में बिहार के सीएम और जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के चिराग पासवान, राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के जयंत चौधरी, एचडी कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, अनुप्रिया पटेल, एकनाथ शिंदे के अलावा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और अन्य शामिल हैं।

सूत्रों ने बताया कि 7 जून को एनडीए सांसदों के साथ बैठक के बाद एनडीए के सहयोगी दल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा मिलकर सहयोगी दलों के साथ सरकार गठन पर चर्चा करेंगे। जदयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि पीएम आवास पर एनडीए की बैठक हुई, जिसमें सीएम (नीतीश कुमार) भी शामिल हुए। सभी ने अपने विचार रखे और एनडीए को तीसरी बार मिले जनादेश के लिए जनता को धन्यवाद दिया। जल्द ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और जल्द ही सभी सांसदों की बैठक होगी।

एनडीए की बैठक में जो प्रस्ताव पास किया गया है उसमें कहा गया है कि भारत के 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है।

बहुत लंबे अंतराल, लगभग 6 दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है। इसमें कहा गया कि हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एनडीए ने आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी एनडीए के नेता आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं।

इसमें कहा गया है कि मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार भारत के गरीब-महिला-युवा-किसान और शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास हेतु एनडीए सरकार भारत के जन-जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करती रहेगी। प्रस्ताव सर्वसम्मति से आज दिनांक 05 जून, 2024 को नई दिल्ली दिल्ली में पारित हुआ।

भाजपा ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत : विष्णुदेव साय

श्रमबिन्दु / रायपुर

लोकसभा चुनाव के परिणाम जारी होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भाजपा के पक्ष में परिणाम आने पर कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आज का ये दिन हमारे देश और प्रदेश के लिए ऐतिहासिक दिन है।

मतगणना जारी है और देश की जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए को अपना आशीर्वाद दिया है, जिसके लिए मैं सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन को कुल मिलाकर जितनी सीटें मिल रही है उससे ज्यादा अकेले भारतीय जनता पार्टी को मिली हैं और छत्तीसगढ़ में भी हम ऐतिहासिक जीत दर्ज कर रहे हैं। साय ने कहा कि 100 दिन में हमारी सरकार ने जो काम किया है उस पर छत्तीसगढ़ की जनता ने भरोसा जताया उसके लिए हम समस्त जनता को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। हमारे लाखों कार्यकर्ता भाई-बहनों ने जो मेहनत की है उसकी बदौलत ही हम इस बहुमत को प्राप्त कर सके हैं। इसके लिए उन्होंने सभी देवतुल्य कार्यकर्ता भाई-बहनों का आभार व्यक्त किया। सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हमारे सभी शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद हम सबको मिला, जिसके परिणामस्वरूप हम छत्तीसगढ़ की 11 में से 10 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में हम चुनाव लड़े और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश चुनाव प्रभारी नितिन नबीन सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में हमने इतनी बड़ी जीत दर्ज की उसके लिए उन्हें भी बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। विष्णु देव साय ने कहा कि विधानसभा में हमने 54 सीट पर जीत दर्ज कराई और लोकसभा में भी 11 में से 10 सीट जीत हम रहे हैं। जनता ने हमें जनादेश दिया है उसपर खरा उतरना है। मोदी की गारंटी जिस पर हम काफी काम कर चुके हैं उससे पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ना है।

पांच नक्सलियों ने किया सरेंडर, पुलिस नीति से हुए प्रभावित; 17 लाख का था इनाम

श्रमबिन्दु / रायपुर

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षाबलों के बढ़ते दबाव और नए पुलिस कैंप खुलने से पांच नक्सलियों ने अपने संगठन को छोड़कर मुख्यधारा में जुड़ने की इच्छा जताते हुए पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है। इन सभी नक्सलियों के ऊपर करीब 17 लाख का इनाम था और ये सभी नक्सली अलग-अलग घटनाओं में भी शामिल थे।

आत्मसमर्पण नक्सली नीति, नक्सली संगठन के पीएलजीए बटालियन नंबर 1 और दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी में अलग-अलग पदों पर लंबे समय से काम कर रहे थे। सीआरपीएफ के आला अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पित पाचों नक्सली जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में घटित बड़ी घटनाओं में शामिल रहे हैं। जिसमें टोण्डामरका मुठभेड़, सलातोंग मुठभेड़ और साकलेर मुठभेड़ प्रमुख रूप से हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलवाद से तंग आकर आठ लाख के इनामी पीएलजीए बटालियन नम्बर 01 की सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर और पीपीसीएम मड़कम पांडू, पांच लाख के इनामी पामेड़ एरिया कमेटी सदस्य व एरिया मेडिकल टीम प्रभारी एसीएम मडकम मासा, दो लाख के इनामी प्लाटून नम्बर 10 'बी' सेक्शन कमाण्डर कोमरम दूला, एक लाख की इनामी महिला पीएलजीए बटालियन सदस्या रव्वा भीमे और दक्षिण सब जोनल ब्यूरो प्रेस टीम सदस्य व पार्टी सदस्य शेखर उर्फ मुका सोड़ी ने पुलिस के समक्ष बिना हथियार के सरेंडर कर दिया। इस दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों ने प्रोत्साहन राशि भी दी गई है।

श्रद्धांजलि

जन्म
18-01-1937

स्वर्गारोहण
06-06-2022

स्व. श्री सीताराम सराफ

आपकी मधुर स्मृति, स्नेह आदर्श, मार्गदर्शन, आशीर्वाद हमारे लिए सदैव प्रेरणादायक रहेंगे। आपकी द्वितीय पुणतिथि पर समस्त परिवारजन भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

आपका आशीर्वाद एवं स्नेह सदैव बना रहे।

-: श्रध्दावनत् :-

पुत्र - कमलेश , संजय , नवीन, संदीप,
प्रकाश सोनी - मंजू सोनी
संजय सोनी - शालिनी सोनी

प्रगति नगर भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.)

जनता ने एक बार फिर भाजपा और पीएम मोदी पर जताया विश्वास : भावना बोहरा

श्रमबिन्दु / कवर्धा

4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही देश में एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला है। वहीं दूसरी तरफभाजपा इस चुनाव में 240 सीटों पर जीत दर्ज कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अरुणाचल प्रदेश और उड़ीसा में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

इस दौरान पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने जो जनाधार दिया है उसमें एक बार पुन: एनडीए गठबंधन पर उन्होंने विश्वास जताया है। एनडीए गठबंधन की यह बड़ी जीत जनता के विश्वास और 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों का परिणाम है। जनता के इस जनादेश से एकतीसरी बार देश में फिर से मोदी सरकार जरुर बनेगी और एनडीए ने देश के विकास एवं जनहित की आकाँक्षाओं को पूरा करने के साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को जरुर पूरा करेगी।

भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने भी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 11 में से 10 सीटों पर बड़ी जीत दर्ज की है जिसके लिए मैं प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करती हूँ। पिछले छ: महीनों में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने अपने वादों को पूरा करते हुए प्रदेश के विकास एवं जनता के लिए जनहितैषी योजनाएं चलाई हैं जनता ने उसके प्रति अपना विश्वास जताते हुए छत्तीसगढ़ में भाजपा को लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत दिलाई है। विधानसभा चुनाव की बात करें तो अरुणाचल प्रदेश में भी पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनने जा रही है वहीं उड़ीसा की जनता ने भी भाजपा की विकास नीति, ऐतिहासिक निर्णयों के प्रति भाजपा पर विश्वास जताते हुए ऐतिहासिक जीत दिलाई है। यह सभी पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार की नीतियों एवं देश के विकास के साथ ही अन्त्योदय के लक्ष्य के साथ भाजपा सरकार के कार्यों पर जनता का विश्वास है। हमारे राजनांदगांव लोकसभा में भी जनता ने एक बार पुन: भाजपा के प्रति अपने दृढ़ विश्वास से एक बड़ी व महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने में पूर्ण सहयोग दिया है जिसके लिए मैं राजनांदगांव लोकसभा की जनता का भी आभार व्यक्त करती हूँ। राजनांदगांव लोकसभा सहित छत्तीसगढ़ में जनता ने अपने जनादेश से स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेशवासी सुशासन और विकास चाहते हैं।

उन्होंने कि लोकसभा चुनाव में एनडीए की यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर जनता-जनार्दन के अटल विश्वास की जीत है। 'विकसित भारत' के ध्येय के साथ देश के विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं और लगातार तीसरे कार्यकाल में हमारा देश मोदी के नेतृत्व में नए आयाम प्राप्त करेगा। सेवा, सुशासन और विकास का संकल्प लेकर 'अंत्योदय' का हमारा प्रण, देश की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त करने के साथ उनके आत्मविश्वास को नए पंख देगा।

[खास खबर]

हिंदू राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे कश्यप

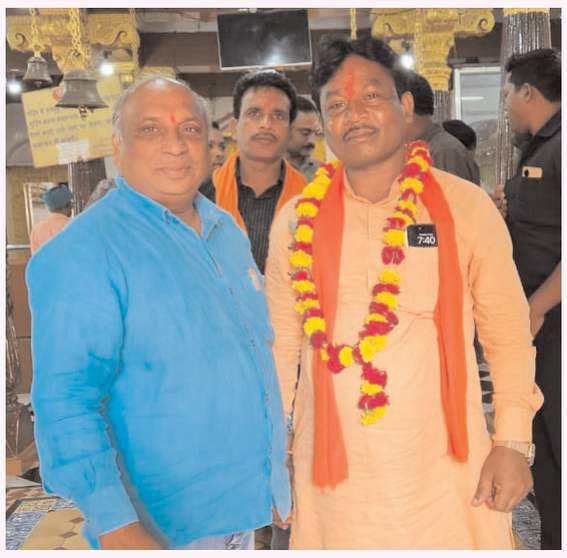

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बस्तर लोकसभा क्षेत्र से नव निर्वाचित बीजेपी सांसद महेश कश्यप ने आज मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की और माता रानी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ विश्व हिंदू परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल अग्रवाल भी थे।

इस दौरान अनिल अग्रवाल ने कहा कि हमारे युवा ऊर्जावान नेता महेश कश्यप शुरू से सनातन धर्म की रक्षा के लिए काम करते आए हैं। श्री कश्यप ने जिस तरह से आदिवासियों का धर्मान्तरण रोकने के लिए अभियान चलाया है, वह अतुलनीय है। महेश भाई ने आदिवासी समाज को धर्म से विमुख होने से बचाने के लिए प्रण प्राण से काम किया है। यही वजह है कि उन्हें हर समाज का समर्थन चुनाव में मिला और वे सांसद चुनकर आए हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत वर्ष को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए हम उन्हें अपने बस्तर से प्रतिनिधि के रूप में दिल्ली भेज रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि महेश कश्यप जी करोड़ो सनानतन धर्म मानने वालों की आकांक्षाओं पर खरा उतर कर हिंदू राष्ट्र बनाने में सहयोग करेंगे। श्री अग्रवाल ने महेश कश्यप को शुभकामनायें भी दी।

बृजमोहन का जलवा बरकरार, कांग्रेस के विकास को दी करारी शिकस्त

रायपुर। रायपुर लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फिर से कांग्रेस को जोरदार पटखनी देते हुए कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय को करारी हार दी है। इस बार उन्होंने विकास उपाध्याय को 5,75,285 वोटों से पराजित किया है। बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी इस जीत का श्रेय पार्टी नेतृत्व के साथ ही पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों और रायपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता को दिया है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत केंद्रीय नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताया और रायपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता ने उस विश्वास पर मुहर लगाई है। इस जीत में भाजपा कार्यकर्ताओं का बड़ा योगदान रहा जिन्होंने भीषण गर्मी में पूरी लगन के साथ काम किया और जनता के बीच में पार्टी की कार्ययोजना को बाखूबी रखने में सफल रहे। उन्होंने अपनी जीत के लिए क्षेत्र की जनता का आभार देते हुए कहा कि, जनता ने शुरू से ही उनको स्नेह दिया है इसका ही नतीजा है कि एक बार फिर से लोकसभा चुनाव में वो नया रिकॉर्ड बनाने में सफल रहे। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह पहला मौका है जब उनको दिल्ली में रायपुर का नेतृत्व करने को मिल रहा है, वो जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरने की कोशिश करेंगे। यह विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ का चुनाव था। जिसमे रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ की जनता ने मोदी जी और भाजपा पर विश्वास जताया है।

एबीवीटीपीएस से सेवानिवृत्त कनिष्ठ पर्यवेक्षक को दी गई भावपूर्ण विदाई

कोरबा-जांजगीर। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से मई माह में कनिष्ठ पर्यवेक्षक दयादास महंत सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्षकार्यपालक निदेशकएसके. बंजारा ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया। कार्यपालक निदेशकके हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारी को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंतापीके श्रीवास्तव, एसडी द्विवेदी, आरके साव और एन. लकरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कांफ्रेंस हाल में आयोजित दीर्घ सेवा सम्मान समारोह में कार्यपालक निदेशक एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वस्थ व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। दयादास महंतने विद्युत मंडल एवं पॉवर कंपनी में 38 वर्ष 07 माह 18 दिन की सेवाएं दी। वह 13 जनवरी 2015 से एबीवीटीपीएस मड़वा में सेवाएं दे रहे थे। उनकी प्रथम नियुक्ति 15 अक्टूबर 1985 को एचटीपीएस कोरबा पश्चिम में संयंत्र परिचारक श्रेणी-तीन के पद पर हुई थी। इस अवसर पर सेवानिवृत्त श्री महंतने अपने लंबे कार्यकाल का अनुभव सुनाया।

कांग्रेस की कब्र खोदने वाले कांग्रेसी नेताओं का हश्र देख रहा है समूचा छत्तीसगढ़

एक को नीचा दिखाने के फेर में करवा बैठे फजीहत

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता एक दूसरे को निपटाने के फेर में खुद ही निपटते जा रहे हैं। कांग्रेस की कब्र खोदने के चक्कर के अपनी ही सियासी कब्र खोदने पर चंद कांग्रेस नेता आमादा हैं। छत्तीसगढ़ में पंद्रह वर्षों तक वनवास झेलने के बाद सत्ता पाकर यहां के कांग्रेसी बौरा से गए थे। राज्य के कुछ शीर्ष नेता अपने आपको तुर्रम खां समझने लगे, अपने सामने किसी दूसरे चेहरे को दमकता देखना तक पसंद नहीं करते थे। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने दीपक बैज को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद की कमान क्या सौंप दी, प्रदेश के कुछ नेताओं की छाती में सांप लोटने लगा।

राज्य के एक बड़े नेता ने बस्तर के एक नेता को मोहरा बनाकर चालें चलना शुरू कर दी। 2023 के विधानसभा चुनाव में दीपक बैज को उनकी पुरानी सीट चित्रकोट से टिकट क्या मिल गया, विरोधी खेमे ने अपनी गतिविधियां और तेज कर दी। बस्तर के दो सवर्ण चेहरों और एक आदिवासी नेता को पूरी ताकत से लगा दिया गया दीपक बैज को निपटाने के लिए।

इस विरोधी लॉबी की मंशा थी कि दीपक बैज तो हारें ही, बस्तर में कुछ और सीटों का नुकसान हो, ताकि हाईकमान की नजरों का तारा बनते जा रहे दीपक बैज को नीचा दिखाया जा सके और पार्टी नेतृत्व को उनकी हैसियत का पता चल जाए। विरोधी लॉबी अपनी मंशा में कामयाब भी रहा। चित्रकोट, जगदलपुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव आदि सीटों पर कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा। दूसरा दौर आया लोकसभा चुनाव का, जब 2019 के लोकसभा चुनाव में घनघोर मोदी लहर के बीच भी दीपक बैज बस्तर लोकसभा सीट से चुनाव जीतने में कामयाब रहे, मगर 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें रोकने के लिए तरह तरह की बिसातें बिछाई गईं।

एक नेता अपने पुत्र को बस्तर सीट से टिकट दिलाने के लिए दिल्ली में डेरा जमाए बैठे रहे। उनके सपोर्ट के लिए बस्तर से कुछ और नेताओं को एक किंगपिन ने दिल्ली भेज दिया था। बस्तर से दिल्ली गए नेताओं के नाम उजागर भी हो गए थे।

अंततः दीपक बैज का टिकट कटवाकर ही इस लॉबी ने दम लिया। बस्तर संभाग के सुकमा जिले की कोंटा विधानसभा सीट से छठवीं बार चुनाव जीतकर आए कवासी लखमा को कांग्रेस हाई कमान ने बस्तर लोकसभा सीट से मैदान पर उतार दिया। भाजपा के एक नए नवेले चेहरे ने कांग्रेस के तथाकथित कद्दावर नेता को पटखनी दे दी।

लौटता है समय का चक्र

कहते हैं समय का चक्र लौट ही आता है और कांग्रेस की कब्र खोदने वालों के साथ भी ऐसा ही हुआ है। छत्तीसगढ़ के बड़े बड़े कांग्रेसी शूरमाओं को समय के इस चक्र ने उनकी औकात दिखा दी है। यह भी बता दिया है कि दूसरों के लिए गड्ढा खोदने वाले खुद उसी गड्ढे में गिर जाते हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने यह भी साफकर दिया है कि कथित अजेय योद्धा भी अपनी मांद में ही सुरक्षित रह सकते हैं, या दूसरे शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि आपकी राजनीति एक इलाके और एक जिले तक ही सीमित है, बाहर कदम धरना भारी पड़ सकता है।

बस्तर की जनता नरेंद्र मोदी जी के साथ, भाजपा ने कांग्रेस को उखाड़ फेंकाः केदार कश्यप

नए सांसद महेश कश्यप को बधाई देने पहुंचे वन मंत्री केदार कश्यप

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के वन मंत्री तेज तर्रार युवा आदिवासी नेता केदार कश्यप ने कहा है कि बस्तर की जनता ने भ्रष्ट नेता को नकारते हुए सीधे, सहज और सरल व्यक्ति को चुनकर संसद में भेजने का फैसला लेकर यह स्पष्ट कर दिया है कि बस्तर की जनता मोदी जी के साथ है। भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन वाली सरकार देश को नई ऊंचाई पर ले जाने का कार्य करेगी। जनता के इस विश्वास पर एनडीए सरकार दिनरात कार्य करेगी।

बीती देर शाम नव निर्वाचित सांसद महेश कश्यप को बधाई देने पहुंचे वन मंत्री केदार कश्यप ने महेश कश्यप का मुंह मीठा कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के

चुनावी नतीजों से यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस अब अकेले दम पर चुनाव लड़ने की स्थिति में नही है।

इस बात को देशवासियों ने अच्छी तरह समझ लिया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेले जितनी सीटें प्राप्त हुई हैं, उतनी तो पूरे इंडी गठबंधन को नही मिली हैं। देश की 37 बड़ी पार्टियों ने इंडी गठबंधन बनाकर बीजेपी को हराने का प्रयास किया, लेकिन जनता ने इंडी गठबंधन को भी नकार दिया है।

बस्तर का होगा समुचित विकास

केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर की जनता ने विकास के लिए भाजपा को चुना है। बस्तर की आवाज अब दिल्ली के संसद भवन में सुनाई देगी। बस्तर के आदिवासियों और उनके हितों की रक्षा के लिए भाजपा दृढ़ संकल्पित है। केंद्र और राज्य सरकार साथ मिलकर बस्तर को संवारने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि महेश भाई हमेशा की तरह बस्तर और बस्तर के आदिवासियों के लिए सदैव मुखर रहेंगे, इस बात का मुझे पूरा भरोसा है। महेश कश्यप जी बस्तर की समस्याओं को केंद्र सरकार के समक्ष रखकर उनके निराकरण के लिए प्रयास करेंगे और बस्तर के निवासियों का भरोसा हरगिज टूटने नहीं देंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वनमंत्री केदार ने जगदलपुर की नक्षत्र वाटिका में किया पौधरोपण

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वनमंत्री केदार कश्यप ने आज जगदलपुर की नक्षत्र वाटिका में पौधरोपण किया। उन्होंने पूर्व में लगाए गए वृक्षों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर वनमंत्री केदार कश्यप कहा कि अपने आसपास के परिवेश को हराभरा रखने की नैतिक जिम्मेदारी हम सबकी है। पूरा विश्व इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2024 की थीम का फोकस 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और

सूखे पर है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और बढ़ते प्रदूषण के चलते पर्यावरण दूषित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल जंगल जमीन की रक्षा हम वर्षों से करते आ रहे हैं। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि हम आदिवासी वनों को काटने वालों में से नही हैं,,बल्कि हम लोग वनों को संरक्षित करने का कार्य करते हैं। वर्षों से हमारी पीढियां इन्हीं वनों पर आधारित जीवन व्यतीत करते हुए आ रही हैं। वनों पर जिनका जीवन आधारित है ऐसे भोले भाले आदिवासियों ने वनों को बचाकर रखा है। पर्यावरण को बचाने और संवारने का कार्य हम सबको मिलकर करना है।

ये चुनावी थकान नहीं है....

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। मंगलवार को मतगणना के चलते ड्राई डे था। शहर की सारी शराब दुकानों के पट सोमवार शाम से ही बंद हो गए थे। बेचारे पीने वाले परेशान हाल घूमते रहे। बुधवार को जब फिर से मयखानों के दरवाजे खुले, तो प्यासों ने जमकर प्यास बुझानी शुरू कर दी। मौसम भी मेहरबान रहा।

शहर का मौसम आज बड़ा ही खुशनुमा रहा। रह रहकर पानी की फुहारें पड़ती रहीं।पीने वालों के लिए इससे बढ़िया मौसम और क्या हो सकता है

भला? मौसम का असली लुत्फ़ तो इस भाई ने उठाया। जगदलपुर शहर के इंदिरा स्टेडियम में पड़ा यह शराबी मानो अपनी पूरी चुनावी थकान मिटाता रहा। लगता है इस बेचारे पर ही बस्तर लोकसभा सीट के चुनाव का सारा दारोमदार टिका हुआ था। मतगणना निपटने के बाद बेचारे को थोड़ी राहत मिली, तो पहुंच गया गम गलत करने मयखाने में। जमकर गला तर करने के बाद जनाब आराम फरमाने इंदिरा स्टेडियम जा धमके। वहां घंटे भर तक गाली गलौज करते रहने और उत्पात मचाने के बाद पड़ गया फर्श पर। कुछ लोगों ने उसके उत्पात की शिकायत एडिशनल एसपी महेश्वर नाग से की। पुलिस डग्गा लेकर पहुंचे और उसकी बची खुची थकान उतारने उसे डग्गे में डालकर अपने साथ ले गई।

सीआरपीएफ जवानों ने लगाए पौधे

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

जगदलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीआरपीएफ की एफ 188 बटालियन पुसपालघाट द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। विश्व पर्यावरण के अवसर पर एफ188 वी वाहिनी केरिपुबल पुसपालघाट बस्तर में भवेश चौधरी कमांडेंट 188 बटालियन केरिपुबल के निर्देशन में बस्तर के सुदूरवर्ती नक्सलग्रस्त क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कंपनी कमांडर बन्नाराम एवं बटालियन के अधिकारी व जवानों ने कैंप परिसर के चारो तरफ पौधरोपण किया। विभिन्न प्रजातियों के लगभग 200 पौधे लगाए गए। एफ 188वीं वाहिनी अपने कार्य क्षेत्र में परिचालनिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ-

साथ स्थानीय लोगो को जागरूक करने, युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए समय- समय पर भिन्न- भिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है।

इस अवसर पर कम्पनी कमांडर बन्नाराम सहायक कमांडेंट ने वृक्षारोपण का महत्व समझाया तथा ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर प्रकृति का संरक्षण करने की शपथ दिलाई और वृक्ष ही जीवन का नारा दिया। उन्होंने बताया पेड़ प्रकृति की अनुपम देन है। इनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। सीआरपीएफ के इस कार्य की ग्रामीणो ने काफी प्रशंसा की।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बोडला, जिला कबीरधाम (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प.क्र. अ 2 वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका दुरपती बजारे पति प्रकाश बंजारे, जाति सतनामी, निवासी ग्राम बोड़ला, तहसील बोड़ला, जिला कबीरधाम (छ.ग.) के द्वारा अपने नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम खैरबनाखुर्द, प.हन 26, तहसील बोड़ला स्थित भूमि ख.न. 130/11, 220/1 रकबा क्रमशः 0.073 है., 0.182 हे. कुल ख.नं. 02 कुल रकबा 0.255 हे. भूमि को कृषि प्रयोजन से औद्योगिक प्रयोजन (राईस मिल) हेतु व्यषवर्तित कराये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत तिथी 10/06/211 तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 24/05/24 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक -24/05/24
पेशी दिनांक 10/06/24

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
बोड़ला

न्यायालय नायब तहसीलदार कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /121 वर्ष 2023-24
ईकोर्ट में 2024050829000
ग्राम घुधरीकला प.ह.नं.-15

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक नाथ पिता प्यारे नाथ निवासी तिवारी नवागांव, द्वारा ग्राम घुधरीकला प.ह.नं. 15 में आवेदक के सामिलात खाता की भूमि खाता क-46 ख.नं. 264/3 रकबा 0.089 हेक्टे. एवं खाता क.-50 ख.नं. 309/8 रकबा 0.101 हेक्टे लगान 0.15 रू. राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि का मूल ऋणपुस्तिका कहीं गुम हो जाने के कारण डुप्लीकेट ऋणपुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु बी-1, खसरा पांचसाला, थाना रिपोर्ट एवं चलान की प्रति सहित आवेदन पेश किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। जिसकी सुनवाई दिनांक 07/05/2024 को नियत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया ।

जारी दिनांक 24.05.2024
पेशी दिनांक 07.06.2024

ना. तहसीलदार
कवर्धा

न्यायालय नायब तहसीलदार कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष 2023-24
ई कोर्ट नं.- 2024060829000
ग्राम कुटेली प.ह.नं.-20

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका फगनी पति घुनहा जाति गोंड निवासी ग्राम धमकी, द्वारा ग्राम कुटेली प.ह.नं. 20 में आवेदिका के स्वामित्व खाता की भूमि खान 537/2 रकबा 0.235 हेक्टे. लगान 2.25 रू. राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि का मूल ऋणपुस्तिका गुम हो जाने के कारण डुप्लीकेट ऋणपुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु बी-1. खसरा पांचसाला एवं चलान की प्रति सहित आवेदन पेश किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। जिसकी सुनवाई दिनांक 18/06/2024 को नियत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार आज

दिनांक को मेरे इस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया ।

जारी दिनांक 03.06.2024
पेशी दिनांक 18.06.2024

ना. तहसीलदार
कवर्धा

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला बस्तर जगदलपुर (छ.ग.)
फार्म अ
सार्वजनिक सूचना (नियम 9 देखिए)

सर्व साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि श्री डिकेश कुमार सोनवानी पिता पनकुराम सोनवानी, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम पंचायत संवरा, तहसील बकावण्ड, जिला बस्तर छ.ग. एवं कुमारी शकुन्तला नाग पिता स्व0 लखेश्वर नाग, उम्र-35 वर्ष, वर्तमान निवासी अनुकुल देव वार्ड, जगदलपुर स्थाई निवासी ग्राम पंचायत बारदा, तहसील बकावण्ड, जिला बस्तर छ0ग0 के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत अपने विवाह के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तावित विवाह के आपत्ति करने इच्छुक व्यक्ति कोई भी व्यक्ति इस सबंध में दिनांक 11/06/2024 के पूर्व हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं है नहीं होगी तथा वह शून्य माना जायेगा ।

आज दिनांक 02/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी।

अपर कलेक्टर एवं
विशेष विवाह अधिकारी,
जिला बस्तर (छ0ग0)

खास खबर

प्रसव कराने के लिए नर्स ने मांगे पांच हजार रुपये, नोटिस जारी

कोरबा । गर्भवती महिला का प्रसव कराने के एवज में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ नर्स के द्वारा रुपये मांगे जाने का मामला सामने आया है। चिकित्सा अधिकारी ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

रविवार रात को ग्राम चोढ़ा निवासी गर्भवती महिला राजेश्वरी आर्मो पति शिव आर्मो को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन प्रसव के लिए विकासखंड पाली अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार पहुंचे। रात्रि पाली में जहां दो स्टाफनर्स प्रीति देवांगन एवं सहयोगी नर्स उपस्थित थे। दोनों ने गर्भवती का सही प्रसव कराने के एवज में नकद पांच हजार रुपये की मांग की अन्यथा प्रसव नहीं करा पाने की बात कही। गर्भवती महिला के परिजन इतवारा बाई ने बताया कि स्टाफनर्स ने यह भी कहा कि रुपये शीघ्र दें नहीं तो शिफ्ट बदल जायेगा।

इसी तरह कुछ दिन पूर्व भी नर्स प्रीति देवांगन ने प्रसव कराने के एवज में सावित्री जगत से भी रात्रि में दो हजार रुपये लिया था। इसकी शिकायत पर ग्राम सरपंच अनुसुइया कंवर, पूर्व सरपंच युवराज सिंह कंवर, कोटवार लखन दास महंत व पंच सावित्री जगत ने अस्पताल पहुंच कर हितग्राही से पूछताछ किया। सरपंच प्रतिनिधि युवराज सिंह कंवर ने बताया कि आए दिन स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार में खासकर रात के समय स्टाफनर्स के द्वारा प्रसव कराने के एवज में रुपये की मांग करने की शिकायत मिली है। इसकी लिखित शिकायत पंचायत की ओर से सहायक चिकित्सा अधिकारी युधेश सांडे को सौंपा गया है।

नियमित दवाओं के सेवन से टीबी मरीजो को बिमारी से मिल रहा निजात

रायपुर। नई दिल्ली के सेंट्रल टीबी डिवीजन के द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसके अंतर्गत टीबी के मरीजों को उपचार हेतु दवाइयों की आपूर्ति की जाती है।

जनसंपर्क विभाग से प्रप्त जानकारी के मुताबिक वर्तमान में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों को एक से डेढ़ माह के लिए दवाईयों की आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में की गई है। जिलों से मांग अनुसार दवाइयाँ राज्य ड्रग स्टोर से आपूर्ति की जा रही है। शीघ्र ही सेन्ट्रल टीबी डिवीजन से दवाईयों का नया स्टॉक भी प्राप्त हो जाएगा।

सेन्ट्रल टीबी डिवीजन द्वारा राज्य व जिलों के अधिकारियों के मदद के लिए हेल्पडेस्क बनाया गया है, जिस पर जारी हेल्पलाईन नम्बर पर कॉल कर दवा से संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता या पूछताछ प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त टीबी मरीज या आम नागरिकों को दवा या उपचार से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई जानकारी लेनी हो तो निःशुल्क राज्य हेल्पलाईन नंबर 104 पर सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते है।

अशोका बिरियानी के संचालक की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने रखा सुरक्षित

रायपुर। रायपुर स्थित अशोका बिरयानी सेंटर के संचालक कृष्णकांत तिवारी और मैनेजर रोहित चंद ने हाई कोर्ट में जमानत याचिका लगाई है। सोमवार को इस मामले में जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की कोर्ट ने सुनवाई हुई।

कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र के रायपुर महासमुंद हाईवे पर स्थित अशोका बिरयानी होटल है। 18 अप्रैल को होटल के गटर की सफाई के लिए होटल मालिक ने नगर निगम की गाड़ी को ना बुलाकर अपने ही कर्मचारियों को काम पर लगा दिया था। गटर की सफाई करते वक्त डेविड साहू और नील कुमार पटेल बेहोश हो गए। दोनों को अस्पताल पहुंचाए जाने पर डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लटोरी का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लटोरी का निरीक्षण किया गया। जहां स्वास्थ्य सेवा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर ने उपस्थित सीएमएचओ, डॉ आर एस सिंह डीपीएम और बीएमओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने दवाई काउंटर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राप्त होने वाली दवाइयां की सूची लगवाने के लिये निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न वार्ड का क्रमवार निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश किये। इसके पश्चात कलेक्टर द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के वेटिंग रूम में हेल्थ सुपरवाईजर, फैसिलिटी इंचार्ज का सुपरवाईजर की समीक्षा बैठक रखी गई थी, जिसमें सिकल सेल, एएनसी, हाई रिस्क प्रेगनेंसी आईडेंटिफिक्केशन, टीकाकरण, फैमिली प्लानिंग अंतरा, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, एनीमिया मुक्त, मेंटल ईलनेस ओपीडी(एनएमएचपी), एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम, एनसीडी, एनवीबीडीसीपी, एनटीईपी को लेकर चर्चा की गई। स्क्रीनिंग को लेकर निम्न स्तर का प्रदर्शन करने वाले केंद्र पर कलेक्टर ने नाराज़गी जाहिर की। उन्होंने उपस्थित संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि स्क्रीनिंग के लेवल को इंप्रूव करें ताकि ज्यादा से ज्यादा वास्तविक टेस्ट के आकड़े प्राप्त हो सकें।

उन्होंने अजबनगर व कल्याणपुर में बायोमेट्रिक सिस्टम लगवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया ताकि इन केंद्र अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति नियमित हो व कार्य की दक्षता को बढ़ाया जा सके। सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र के प्रांगण में कलेक्टर द्वारा पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया। साथ ही पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण में कलेक्टर द्वारा कटहल पौधे का रोपण किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ आर. एस. सिंह, डीपीएम प्रिंस जायसवाल व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दतिमा सचिवालय परिसर में आयोजित किया गया वृक्षारोपण

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर के माननीय व्यवहार न्यायाधीशों ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत दतिमा सचिवालय परिसर में उद्यान विभाग व पुलिस चौकी, करंजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में किया गया वृक्षारोपण। उन्होंने आज न सिर्फ वृक्षारोपण कर पर्यावरण के बदलते परिस्थितियों व उसके कारण होने वाले समस्याओं के बारे में विस्तार से स्थानीय जनों को संदेश देते हुए जागरूक किया, बल्कि साथ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के जिम्मेदार सदस्य होने के नाते महिलाओं और ग्रामीणों को शिविर आयोजित कर विधिक मामलों की जानकारी से भी अवगत कराया, जिसमें मुख्य रूप से आगाह करते हुए ग्रामीणों को वनांचल में वन-जीवों के शिकार से बचने व महिलाओं को सखी सेन्टर व उसके हेल्पलाइन नंबर 1091 के बारे में भी जानकारी दिया, बच्चों के बाल श्रमिक के रूप में कार्य कराने एवं बाल विवाह रोकने हेतु अपील किया, बच्चों के कम उम्र से ही मोबाईल इस्तेमाल होने करने से मनो-विचारों में बदलाव की जानकारी देते हुए बताया गया कि बच्चों में मोबाइल इस्तेमाल करने की वजह से आपराधिक मामलों में बढ़ोतरी हो रही है इस मौके पर माननीय सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला - सूरजपुर सुश्री डॉली ध्रुव द्वारा काजू, न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरजपुर विवेक कुमार टण्डन द्वारा आम, न्यायिक मजिस्ट्रेट अजय लकड़ा द्वारा अमरूद व न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री स्वर्णा डाहिरे द्वारा काजू व सरपंच ग्राम पंचायत दतिमा सुश्री बॉबी सिंह द्वारा परिसर में लीची का रोपण किया गया। आयोजन हेतु उद्यान अधीक्षक, शासकीय उद्यान दतिमा, व ग्राम पंचायत दतिमा पंच जहाँगीर साथ ही पुलिस चौकी, करन्जी से प्रधान आरक्षण राजकुमार सिंह, आरक्षक लालमन राजवाड़े चन्देश्वर व सैनिक प्रदीप गुप्ता ने सहयोग किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना कंदरई एवं पृथ्वी मित्र इको क्लब द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम किए गए आयोजित

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्दरई की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व पृथ्वी मित्र इको क्लब द्वारा संयुक्त रुप से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर पर्यावरण की सुरक्षा ,संरक्षण एवं संवर्द्धन की शपथ ली गई। सर्वप्रथम रासेयो इकाई व पृथ्वी मित्र इको क्लब द्वारा विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया व ट्री गार्ड लगाकर रोपित पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। रक्षासूत्र बांधकर पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया गया।तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने ऑक्सीजन जोन व गांव के सरना का भ्रमण कर पर्यावरण संरक्षण के विषय में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कार्यक्रम आधिकारी व इको क्लब प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा सम्पूर्ण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है । सरगुजा क्षेत्रांतर्गत प्रचलित सरना प्रथा की जानकारी छात्र-छात्राओं को देते हुए कहा कि यह व्यवस्था हमारी परम्परागत पर्यावरण संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है।जहाँ हमारे पूर्वज पेड़ों की पूजा करते थे।उन्हें काटा कभी नहीं जाता सरना देव को लोग श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चना करते धे। मिशन लाईफकी चर्चा करते हुए उन्होंनें सभी छात्र-छात्राओं को जंकफूड, तम्बाकू व धूम्रपान से हमेशा के लिए दूर रहते हुए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित किया। पर्यावरण संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंनें छात्र-छात्राओं सहित समुदाय के सभी वर्गों से आने वाली वर्षात में अधिक-से-अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एंव संवर्द्धन में अपना अमूल्य योगदान देने की अपील की ।कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवक सिकंदर,बिरम कुमारी , अंजू सिंह, मनीष सिंह, सुनीता, गणेश्वर,हीरालाल सहित अन्य स्वयंसेवक सक्रिय रहे।

एनटीपीसी कोरबा ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

एनटीपीसी कोरबा में 05 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री राजीव खन्ना की अध्यक्षता में प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी के पश्चात सिल्वर जुबली पार्क (क्रिसलय कुंज) में परियोजना प्रमुख श्री राजीव खन्ना, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री अर्नब मैत्रा, महाप्रबंधक (ऐश डाईक प्रबंधन) श्री मनीष वसंत साठे, मैत्री महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती रोली खन्ना एवं उपाध्यक्षा श्रीमती कीर्ति साठे, सभी विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, यूनियन संघ के पदाधिकारियों, कमांडेन्ट (ष्टद्धस्त्र) एवं जवानों द्वारा सामूहिक वृक्षारोपण किया गया। अपर महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन समूह) श्री देबातोश कर के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनटीपीसी एवं सीआईएसएफ के कर्मचारियों, गृहणियों एवं बच्चों के लिए चित्रकला, प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री अर्नब मैत्रा ने सभी कर्मचारियों, सीआईएसएफ के जवानों, नगरवासियों एवं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। त्दोपरांत परियोजना प्रमुख श्री राजीव खन्ना ने पर्यावरण को बचाने, स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाए रखने एवं भूमि के पुनरोद्धार हेतु हर संभव प्रयास करने के लिए सभी को संबोधित किया, साथ ही साथ परियोजना प्रमुख ने एनटीपीसी कोरबा द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयासों से भी सबको अवगत कराया। एनटीपीसी कोरबा ने अब तक 29.4 लाख पेड़ो का वृक्षारोपण किया है।

किसानों को समय पर मिले बीज व खाद, कलेक्टर ने निरीक्षण कर ली पूरी जानकारी

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

कलेक्टर रोहित व्यास ने आज आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित लटोरी व कल्याणपुर का निरीक्षण किया। जहां उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों से उन्होंने धान बीज़ व खाद की मांग तथा उठाओ से संबंधित जानकारियां ली। उन्होंने उपस्थित संबंधित अधिकारी को धान बीज़ व खाद के पर्याप्त स्टाक रखने के निर्देश दिए ताकि समिति में आने वाले किसानों को धान बीज व खाद बिना किसी बाधा के उपलब्ध हो। उन्होंने अधिकारियों को खाद (डीएपी, यूरिया, एनपीके व इफ्को सुपर) के स्टॉक पर विशेष मॉनिटरिंग करने की बात भी कही। इस अवसर पर उन्होंने लटोरी सहकारी समिति में आये 20 कृषकों को एमटीयू 1010 वैरायटी के प्रमाणित बीज का वितरण किया।उन्होंने उपस्थित कृषक बंधुओं से बीज व खाद उठाव नियमित हो रही है कि नहीं इसकी जानकारी भी ली, जिस पर उपस्थित कृषक बंधुओ ने बताया कि बीज व खाद का उठाव आसानी से हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने समिति में उपस्थित कृषि विस्तार अधिकारियों से किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित जानकारी ली और उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड से वंचित किसानों का शत प्रतिशत पंजीयन करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा लटोरी के तहसील कार्यालय और ग्रामीण सचिवालय का भी निरीक्षण किया गया। जहां ग्रामीण सचिवालय में उन्होंने उपस्थित पंजी व शिकायत पंजी का अवलोकन किया।

दुष्कर्म का आरोपी रायगढ़ से हुआ गिरफ्तार

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना नारायणपुर क्षेत्र का एक पिता ने थाना में जाकर सूचना दिया कि इसकी नाबालिग पुत्री उम्र 16 साल दिनांक 22.05.2024 की रात्रि में खाना खाकर बड़ी बहन के पास सो गई थी, दूसरे दिन प्रातः में देखे कि इसकी पुत्री घर में नहीं है, आस-पास पता तलाश किये, उसका मोबाईल भी बंद था। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर धारा 363 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।प्रकरण की विवेचना दौरान सायबर सेल एवं मुखबीर के सहयोग से अपहृता का लोकेशन दिनांक 04.06.2024 को रायगढ़ में पता चलने पर आगामी कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह द्वारा तत्काल उप पुलिस अधीक्षक श्री भावेश समरथ के नेतृत्व में थाना नारायणपुर से एक टीम रायगढ़ भेजी गई, टीम द्वारा टारपाली थाना चक्रधरनगर के मोहल्ले में जाकर पतासाजी की जा रही थी उसी दौरान नाबालिग पीड़िता एवं संदेही बादल दोनों रोड में पैदल जाते हुये मिले, उनके पास एक 02 साल का बच्चा भी था। पुलिस टीम द्वारा उनको रोककर पूछताछ किया गया इसी दौरान पुलिस को पता चला कि वह बच्चा बादल कुमार का है, बादल सिंह की पत्नि कुछ दिन पूर्व अपने बच्चों को छोड़कर मायके में रह रही है। पुलिस द्वारा बादल कुमार को अभिरक्षा में लेकर वापस थाना लाया एवं नाबालिग बालिका को बरामद कर उसके परिजनों को सौपा गया।पुलिस द्वारा बादल कुमार से पूछताछ करने पर वह बताया कि वह रायगढ़ में काम करता है। उसका नाबालिग बालिका से विगत 03-04 माह से प्रेम संबंध है, उसे शादी करने का झांसा देकर दिनांक 16.04.2024 को दुष्कर्म किया है। बादल कुमार ने पूर्व से नाबालिग बालिका के साथ बातचीत कर दिनांक 23.05.2024 के प्रातः में 04 बजे बस से नाबालिग को कुनकुरी से रायगढ़ बुलाया एवं अपने बच्चे को साथ में रखने हेतु कहा, तब बादल कुमार ने अपने एक परिजन को फोन कर अपने बच्चे को कुनकुरी बस स्टैंड में लाने हेतु कहा, उक्त बच्चे को बादल कुमार के एक परिजन ने नाबालिग बालिका के गोद में रख दिया। तत्पष्चात् नाबालिग बालिका 10 बजे रायगढ़ पहुंची एवं एक अन्य व्यक्ति के मोबाईल से बादल कुमार को फोन कर सूचना दी, फिर बादल सिंह ने नाबालिग बालिका को वहां एक मोहल्ले में किराये के मकान में ले जाकर दिनांक 23.04.2024 से 04.06.2024 तक शादी करने का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। बादल कुमार ने मकान मालिक को नाबालिक बालिका को अपनी पत्नी एवं बच्चे को स्वयं का बताया था, *अभियुक्त बादल कुमार उम्र 25 साल निवासी नवाटोली थाना कुनकुरी* का कृत्य उपरोक्त धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने पर उसे दिनांक 05.06.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया गया पौधारोपण

श्रमबिन्दु / सूरजपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर पंकज कुमार कमल एवं वनपरिक्षेत्राधिकारी सूरजपुर उमेश कुमार वस्त्रकार के निर्देशन में शिवपार्क सूरजपुर में वनपरिक्षेत्र सूरजपुर के अधिकारी/कर्मचारियों एवं युवा साथी फाउंडेशन के द्वारा पौधा रोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा साथी फाउंडेशन के द्वारा पेड-पौधों की सुरक्षा हेतु उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों एवं नगरवासियों को शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्किल फॉरेस्ट ऑफिसर रमेश सिंह, महेन्द्र प्रसाद वनरक्षक, सुखदेव पैकरा वनरक्षक सहित बड़ी संख्या में वनकर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संपादकीय...

इस संकट से जूझ रही दुनिया इसकी भारी आर्थिक कीमत चुका रही है। सबसे बड़ा संकट तो जमीन के दिनों-दिन बंजर होने का है। यदि सदी के अंत तक तापमान में दो डिग्री की भी बढ़ोतरी हुई तो 115.2 करोड़ लोगों के लिए जल, जमीन और भोजन का संकट पैदा हो जायेगा।

जलवायु परिवर्तन के मुकाबले को बनें कारगर नीतियां

जलवायु परिवर्तन समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन से समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कई द्वीपों और दुनिया के तटीय महानगरों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। इस संकट से जूझ रही दुनिया इसकी भारी आर्थिक कीमत चुका रही है। सबसे बड़ा संकट तो जमीन के दिनों-दिन बंजर होने का है। यदि सदी के अंत तक तापमान में दो डिग्री की भी बढ़ोतरी हुई तो 115.2 करोड़ लोगों के लिए जल, जमीन और भोजन का संकट पैदा हो जायेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य अब भी पहुंच से बाहर हैं। समय की मांग है कि विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये ताकि वे इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने की ज़रूरत को समझ सकें।

समूची दुनिया में करीब 40 फीसदी जमीन बंजर हो चुकी है। इसमें यदि 6 फ़ीसदी घोषित रेगिस्तान को छोड़ दिया जाये तो शेष 34 फीसदी जमीन पर करीब 4 अरब लोग निर्भर हैं। इस पर सूखा, यकायक ज्यादा बारिश, बाढ़, खारेपन, रेतीली हवाओं आदि के चलते बंजर होने का खतरा मंडरा रहा है। यह भी कि तेजी से बढ़ रही आबादी और जलवायु परिवर्तन के कारण फसल की पैदावार दर में तीन फीसदी की गिरावट के अंदेशे से दुनिया में 2050 तक भोजन की भारी कमी का सामना करना पड़ेगा। फिर दुनिया की 50 फीसदी प्राकृतिक चारागाहों की जमीन के नष्ट होने से जलवायु, खाद्य आपूर्ति और अरबों लोगों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो गया है। यह भूमि वैश्विक खाद्य उत्पादन का छठा हिस्सा है जिस पर दुनिया के दो अरब लोग निर्भर हैं।

जलवायु परिवर्तन से मानसिक सहित कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं खड़ी हो रही हैं। लैंसेट न्यूरोलॉजी जर्नल में प्रकाशित शोध में खुलासा हुआ है कि इसका माइग्रेन, अल्जाइमर आदि से पीड़ित लोगों पर ज्यादा नकारात्मक असर पड़ता है। चिंता, अवसाद और सिजोफ्रेनिया सहित कई गंभीर बीमारियों को भी गहरे तक प्रभावित किया है। जलवायु के प्रभाव से स्ट्रोक और मस्तिष्क में संक्रमण के प्रमाण पाये गये हैं। इससे तनाव, अवसाद के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही दुनिया के 70 फीसदी श्रमिकों यानी 240 करोड़ लोगों की सेहत पर खतरा है।

जलवायु परिवर्तन के असर से जीव-जंतु और पेड़-पौधे भी अछूते नहीं। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और तीव्र औद्योगीकरण ने इकोसिस्टम को भी जबरदस्त प्रभावित किया है। इससे 30 फीसदी प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। प्रतिकूल जलवायु के कारण जीव-जंतुओं को अपना प्राकृतिक वास छोड़ना पड़ सकता है। उनकी प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होगी। यूनीसेफ ने चेतावनी दी है कि यदि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कोशिश नहीं की गयी तो दुनिया में लगभग एक अरब बच्चे जलवायु संकट के प्रभावों के अत्यंत उच्च जोखिम का सामना करने को विवश होंगे। दरअसल बढ़ते तापमान, पानी की कमी और खतरनाक श्वसन स्थितियों का घातक प्रभाव बच्चों पर अधिक पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन से पूरे विश्व को होने वाला नुकसान पहले के अनुमान से छह गुणा अधिक है। सदी के अंत तक यह 38 ट्रिलियन डॉलर हो जायेगा। बढ़ते तापमान, भारी वर्षा और तीव्र चरम मौसम के कारण मध्य शताब्दी तक हर साल 38 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित न करना इसके बारे में कुछ करने की तुलना में बहुत अधिक महंगा है। शोध के अनुसार 1.8 डिग्री सेल्सियस दुनिया पहले ही गर्म हो चुकी है। 1056 डालर प्रति टन नुकसान होता है कार्बन उत्सर्जन से और 12 फीसदी की जीडीपी में गिरावट तापमान वृद्धि की वजह से होती है। फिर जलवायु परिवर्तन से सुपरबग का दिनों-दिन बढ़ता खतरा महामारी का रूप लेता जा रहा है। सुपरबग ऐसा बैक्टीरिया है जिस पर एंटीबायोटिक दवाओं का कोई असर नहीं होता। चिकित्सा के क्षेत्र में ये सबसे बड़ी चुनौती है।

अमेरिका की प्रिंसटन यूनिवर्सिटी ने जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवात की घटनाएं बढ़ने की आशंका जताई है। अध्ययन कर्ताओं ने कहा है कि समुद्र के बढ़ते जलस्तर और जलवायु परिवर्तन के कारण अगले कुछ दशकों में तटीय इलाकों में भीषण चक्रवात एवं तूफानों के बीच समय का अंतराल कम हो जायेगा। इस बारे में अब तक उठाए गये कदम जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप नहीं हैं और उनकी रणनीतियां अपर्याप्त और अस्पष्ट हैं। ऐसी हालत में जलवायु लक्ष्य पाना बेहद मुश्किल है। फिर जलवायु संकट से निपटने के लिए दुनिया में जारी प्रयास स्वैच्छिक हैं। इस दिशा में जब तक कानूनी रूप से बाध्यकारी नीतियां नहीं होंगी, तब तक जलवायु लक्ष्यों को पाना मुश्किल है।

यूरोपीय मानवाधिकार अदालत का मानना है कि देशों का दायित्व है कि वे अपने नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से हरसंभव तरीके से बचाने का प्रयास करें। यहां बड़ा सवाल यह भी कि जलवायु की रक्षा के लिए इतना पैसा कहां से जुटाया जायेगा। कॉप 28 सम्मेलन में भी इस बाबत हानि एवं क्षति कोष में शुरुआती रूप से 47.50 करोड़ डॉलर फंडिंग का अनुमान था। इसके लिए विकासशील देशों को हर साल करीब 600 अरब डॉलर की ज़रूरत होगी जो विकसित राष्ट्रों द्वारा किए गये वादे से काफी कम है। ऐसी स्थिति में अमीर देशों पर अतिरिक्त टैक्स ही जलवायु संकट से उबार सकता है।

आयोग को ज्ञान का भान, कर्मी नादान

विनय कुमार पाठक

भगवान बुद्ध को काफी दिनों तक भटकने और तपस्या करने के बाद ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। चुनाव आयोग को सिर्फ डेढ़ महीने में ही ज्ञान की प्राप्ति हो गई है। और खास बात है कि इस ज्ञान की प्राप्ति के लिए चुनाव आयोग को किसी वृक्ष के नीचे बैठकर तपस्या नहीं करनी पड़ी। वातानुकूलित कक्ष में बैठकर ही उन्हें इस ज्ञान की प्राप्ति हुई है। और ज्ञान की प्राप्ति के लिए भगवान बुद्ध को बहुत ही त्याग करना पड़ा था पर चुनाव आयोग को किसी और के त्याग के कारण ज्ञान की प्राप्ति हुई है। मगर बुद्ध के मुखमंडल पर जो शांति दिखती है उससे कहीं अधिक शांति चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुखमंडल पर दिख रही थी जब उन्होंने बड़े ही उदारतापूर्वक सबक प्राप्त करने की घोषणा की। प्रचंड लू के कारण सिर्फ चार-पांच दर्जन मतदानकर्मियों की मौत और दस बीस दर्जन मतदानकर्मियों के बीमार पड़ने से ही चुनाव आयोग को इस ज्ञान की प्राप्ति हुई है कि चुनाव प्रक्रिया गर्मी के मौसम के एक महीने पहले ही पूरी करा लेनी चाहिए। इससे बड़ी उदारता क्या हो सकती है भला? इतने कम मूल्य पर इतनी बड़ी ज्ञान की प्राप्ति के लिए चुनाव आयोग बधाई का पात्र तो है ही।

इसके अलावा उन मतदानकर्मियों को भी ज्ञान की प्राप्ति हुई है जिन्हें निर्वाचन कर्तव्य में बेमन से भाग लेना पड़ा है। उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई है कि येन-केन-प्रकारेण चुनाव ड्यूटी से अपना नाम कटाना है। वैसे जब वे अपने वृद्ध माता-पिता के स्वास्थ्य का हवाला देते हैं तो उनसे बताया जाता है कि श्रवण कुमार तो एक ही हुए हैं अभी तक। इसलिए इस आधार पर उन्हें चुनाव ड्यूटी से छुटकारा नहीं दिया जा सकता। कोई अपने स्वास्थ्य का हवाला देता है तो कहा जाता है कि आज के जमाने में सभी का स्वास्थ्य खराब होता है। जब मुख्यमंत्री जैसे पद पर विराजित व्यक्ति स्वास्थ्य खराब होने के बाद भी दिन-रात चुनाव प्रचार कर सकता है तो खराब स्वास्थ्य वाला व्यक्ति चुनाव ड्यूटी क्यों नहीं कर सकता? यदि कोई अपने अधिक उम्र होने का हवाला देता है तो उसे बताया जाता है कि अधिक उम्र अधिक अनुभव का प्रतीक होता है। ऐसे में अधिक उम्र वाले ज्यादा उपयुक्त हैं चुनाव ड्यूटी के लिए।

जब सभी तर्क निष्फल हो जाते हैं तो एक ही तर्क रह जाता है कि संबंधित अधिकारी के पास किसी व्यक्ति की प्रत्यक्ष या परोक्ष कितनी पहुंच है। यदि पहुंच है तो फिर किसी बहाने की आवश्यकता नहीं है और यदि पहुंच नहीं है तो हर बहाने को न है। तो इस प्रकार इस चुनाव का परिणाम जो भी हो, चुनाव आयोग और चुनावकर्मी दोनों को ज्ञान की प्राप्ति हुई है। देखने की बात है कि आगामी चुनाव में ये दोनों अपने इस ज्ञान का कितना सदुपयोग कराते हैं।

विवाद और बवंडर का विषय बना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र प्रधानमंत्री का कन्याकुमारी के विवेकानंद शिला स्मारक में ध्यान करना जितने बड़े विवाद और बवंडर का विषय बना उसे बिल्कुल स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। भारत सहित विश्व समुदाय को प्रेरणा देने वाले विवेकानंद के ध्यान स्थल से जुड़े इस केंद्र पर प्रधानमंत्री जाकर ध्यान करते हैं तो इसका संदेश सर्वत्र जाता है और लोगों में भी विवेकानंद के जैसा बनने, विपरीत परिस्थिति में ध्यान करने और स्वयं को नियंत्रित कर देश के लिए काम करने की प्रेरणा मिलती है। विपक्ष ने यद्यपि बुद्धिमत्तापूर्वक कहा कि वे ध्यान साधना का विरोध नहीं कर रहे, क्योंकि उन्हें लगता था कि ऐसा करने से भाजपा को चुनावी लाभ हो जाएगा। इसलिए इसके टीवी कवरेज पर आपत्ति व्यक्त की गई।

अवधेश कुमार

अलग- अलग पार्टियां चुनाव आयोग के पास गई भी। प्रधानमंत्री या कोई नेता चुनाव प्रचार के बाद या बीच में किसी धर्मस्थल या प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल पर जाएं, वहां पूजा, प्रार्थना, ध्यान या अन्य साधना करें उस पर चुनाव आयोग या कोई भी संवैधानिक संस्था कैसे रोक लगा सकती है? विपक्ष के नेताओं ने भी पूरे चुनाव में परिश्रम किया है और उन्हें भी ध्यान साधना और शारीरिक, मानसिक संतुलन व शांति के लिए पहले से ऐसी कुछ योजना बनानी चाहिए थी। भारत में अनेक ऐसे धार्मिक साधना स्थल हैं जहां जाकर आप शारीरिक-मानसिक थकान से आध्यात्मिक कृतियों के द्वारा मुक्ति पा सकते हैं। ऐसी जगह भी है जहां जाकर एक दो दिनों के विश्राम से आपको विशेष शांति और शक्ति मिलती है।

अगर विपक्ष के नेताओं में ऐसी दृष्टि नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं कि प्रधानमंत्री या कोई भी सत्तारूढ़ पार्टी का नेता उस दिशा में न सोचें न करें। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, प्रियंका वाड्रा, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, शरद पवार सभी चाहें तो कहीं न कहीं ऐसी साधना कर सकते थे और उन्हें भी टेलीविजन या मीडिया का कवरेज मिलता। नेताओं में वाकई ध्यान और साधना की प्रतिस्पर्धा हो तो यह देश और संपूर्ण मानवता के लिए कल्याणकारी होगा। जब आध्यात्मिक दृष्टि से आपके शरीर और मन के बीच संतुलन स्थापित

होता है तो उसके साथ सकारात्मक दृष्टि भी विकसित होती है जहां से केवल सबके कल्याण के भाव से ही विचार पैदा हो सकते हैं। जब 2014 का चुनाव प्रचार समाप्त हुआ तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने शिवाजी के रायगढ़ किले में जाकर ध्यान किया था। शिवाजी हमारे देश में भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व की दृष्टि से प्रेरक और आदर्श व्यक्तित्व हैं। शिवाजी जैसे महापुरु ष के प्रति अगर विपक्ष के अंदर ऐसा भाव पैदा नहीं होता तो इसके लिए वही दोषी हैं।

2019 के चुनाव प्रचार की समाप्ति के बाद प्रधानमंत्री उत्तराखंड के केदारनाथ गए थे और वहां उन्होंने गुफा में ध्यान और साधना की। यह मान लेना कि इस प्रकार की ध्यान साधना या पूजा पाठ के मीडिया कवरेज के प्रभाव में आकर पहले से किसी और को मत देने का मन बनाए मतदाता अचानक पलट कर भाजपा को वोट देने लगेंगे उचित नहीं लगता। मतदाताओं के पास भी सही गलत का निर्णय करने का विवेक है। विपक्ष इसे प्रधानमंत्री मोदी के मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति मानता था तो उसे भी इसकी काट में रणनीति अपनानी चाहिए। विरोधियों ने प्रधानमंत्री की ध्यान साधना को राजनीतिक मुद्दा बना दिया।

किसी भी देश का शीर्ष ध्यान साधना या अपने आध्यात्मिक कर्मकांड या फिर छुट्टियां मनाने जाएगा तो उसे मीडिया का कवरेज मिलेगा। यह भी सच है कि प्रधानमंत्री को जितना कवरेज मिलेगा उतना किसी अन्य नेता को नहीं मिल सकता, लेकिन दूसरे नेता अपना कार्यक्रम इतने ही प्रेरणादायी व सकारात्मक बनाएं तो मीडिया उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। वैसे भी विरोधियों ने प्रधानमंत्री मोदी को खलनायक साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उत्तर प्रदेश में जब से योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने हैं उनके प्रति भी विरोधियों का रवैया यही है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले केवल मोदी बोलते थे अब उसमें योगी को जोड़ दिया। योगी समर्थक यह बोलते हैं कि विरोधियों को उनके भगवा वस्त्र से, अपराधियों के विरु द्ध कार्रवाई से या हिंदुत्व के प्रति प्रखरता से समस्या है तो इसका जवाब उनके पास नहीं होता। विवेकानंद शिला स्मारक पर जाने वाले या उसकी प्रशंसा करने वाले ज्यादातर नेताओं को शायद यह पता नहीं होगा कि उसके निर्माण के पीछे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मुख्य भूमिका थी। 1963 में स्वामी विवेकानंद के जन्म शताब्दी के समय लोगों ने उस चट्टान के पास एक स्मारक बनाने का निश्चय किया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। संघ ने अपने उस समय के वरिष्ठ प्रचारक एकनाथ रानडे को इस काम में लगाया। उस समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भक्तवत्सलम ने स्मारक में मदद से मना कर दिया। तत्कालीन केंद्रीय संस्कृति मंत्री हुमायूं कबीर ने भी सहयोग से इनकार किया।

संघ ने निर्णय कर लिया था और उनके लोग लग गए थे तो वे लगे रहे। सांसदों से भेंट की गई। 300 से ज्यादा सांसदों से हस्ताक्षरित समर्थन लिया गया। फिर तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने उसके निर्माण की अनुमति दी। 1972 में विवेकानंद केंद्र बना जो वहां अनेक प्रकार के कार्यक्रम करता है।

इस जनमत के निहितार्थ भी समझिए

विश्वनाथ सचदेव

आशाओं और आशंकाओं के बीच झूलते हुए लोगों ने आम-चुनाव के परिणामों को देखने-समझने की कोशिश की है। इसी समझ का एक परिणाम यह भी है कि सारा चुनाव-प्रचार इस बात का साक्षी रहा है कि संकल्प-पत्र की गारंटियों और घोषणापत्रों के दावों के बावजूद कम से कम भाजपा की ओर से यह चुनाव मुद्दों से कहीं अधिक पार्टी के 'एकछत्र नेता' के नाम पर अधिक लड़ा गया था। हमारे संविधान में भले ही ऐसी कोई व्यवस्था न हो, पर पिछले चुनाव की तरह ही इस बार भी अमेरिका की राष्ट्रपति-प्रणाली की तरह चुनाव लड़ने की कोशिश सत्तारूढ़ दल ने अवश्य की थी। ऐसा नहीं है कि इस बार मुद्दे थे ही नहीं, पर मुद्दों की जगह जुमले ज़्यादा उछले। 'इंडिया एलायंस' ने ज़रूर संविधान की रक्षा जैसे सवाल उठाये और महंगाई बेरोज़गारी की बात की, लेकिन यह भी हमने देखा कि चुनाव-प्रचार के दौरान संविधान को बदलने की कोशिशों के संकेत भी दिये गये।

भाजपा पर संविधान को बदलने की कोशिशों की बात कांग्रेस पार्टी ने उठायी थी। आरोप यह था कि भाजपा संविधान को बदलकर देश को तानाशाही की ओर ले जा सकती है। भाजपा ने इस बात का पुरजोर खंडन किया और हमारे संविधान के मुख्य शिल्पी बाबा साहेब अंबेडकर की दुहाई देकर संविधान में अपनी आस्था प्रकट की। यह कहना तो मुश्किल है कि संविधान को लेकर उठे इस मुद्दे का चुनाव के नतीजे पर क्या और कितना असर पड़ा, पर इतना तो कहा ही जा सकता है कि संविधान के साथ छेड़छाड़ की इस बात ने देश के नागरिकों के एक वर्ग को चौकन्ना अवश्य बना दिया था। संविधान को लेकर इधर चर्चाएं भी हो रही हैं। यही वह समय है जब यह ज़रूरी हो गया है कि देश में संविधान की महत्ता और उसे लेकर उठाये जा रहे सवालों पर देश का प्रबुद्ध नागरिक विचार करे।हमारे संविधान-निर्माताओं ने

इस बात को रेखांकित करना जरूरी समझा था कि यह देश हर भारतीय का है। जाति, धर्म, वर्ग, वर्ण के आधार पर किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता। हमारा संविधान नागरिक के कर्तव्य और अधिकारों की स्पष्ट व्याख्या करता है। था एक वर्ग जो समान अधिकार के नाम पर 'राजा और गंगू तेली' को समानता देने के तर्क को समझ नहीं पाया था, पर देश की सामूहिक चेतना ने हर नागरिक को वोट का अधिकार देकर यह सुनिश्चित कर दिया था कि जनतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाला हमारा गणतंत्र क्षमता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के ठोस आधारों पर खड़ा है। यहां हर एक के वोट का अधिकार समान है; यहां हर एक को न्याय पाने का अधिकार है; यहां हर एक को विकास का सामान अधिक अवसर मिलेगा; यहां हर एक को अपनी आस्था के अनुसार जीवन-यापन करने की सुविधा मिलेगी। देश के नागरिक को यदि किसी बात की गारंटी की आवश्यकता है तो वह इस बात की है कि उसे एक सार्वभौम स्वतंत्र देश के गौरवशाली नागरिक के रूप में जीने का अधिकार और अवसर प्राप्त हो। हमारा संविधान इस बात की गारंटी देता है।

यही गारंटी इस बात को भी सुनिश्चित करती है कि देश का हर निर्वाचित शासक संविधान के बुनियादी ढांचे के अनुरूप कार्य करेगा। समय और स्थितियों के अनुसार संविधान में संशोधन अवश्य हो सकता है, पर संविधान की मूल आत्मा को बदलने का अधिकार किसी को नहीं है। क्या है यह संविधान की मूल आत्मा? इस प्रश्न का उत्तर हमारे संविधान की प्रस्तावना में छिपा है। हमारे संविधान-निर्माताओं ने इस प्रस्तावना में स्पष्ट शब्दों में कहा था, 'हम भारत के लोग एक समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, जनतांत्रिक गणतंत्र' की स्थापना करते हैं। हमने इस संविधान को स्वयं आत्मार्पित किया था। सौ से अधिक बार आवश्यकता के अनुसार संविधान में संशोधन हो चुके हैं, पर प्रस्तावना में वर्णित अवधारणाओं को कहीं छेड़ा नहीं गया। समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, जनतांत्रिक गणतंत्र यह चार शब्द मात्र शब्द नहीं हैं, इन चार शब्दों में वे सारे सपने समाहित हैं जो हमने 75 साल पहले अपने लिए देखे थे। देश का हर प्रयास उन सपनों को पूरा करने की दिशा में उठाया गया एक ठोस कदम होना चाहिए।

जब हम समाजवाद की बात करते हैं तो इसका अर्थ हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर देना मात्र नहीं है। मनुष्य मात्र की समानता में विश्वास करने वाला सिद्धांत है यह। मैं भी जियूंगा, तुम भी जियो; मेरे पास एक रोटी है, आओ हम आधी-आधी बांटकर कुछ भूख मिटा लें। यही मनुष्यता है। इसी मनुष्यता का तकाज़ा यह भी है कि हम एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान करते हुए स्वतंत्रतापूर्वक विकास की सीढ़ियां चढ़ें। यहां विकास का अर्थ बड़े-बड़े कल-कारखाने अथवा लंबी-चौड़ी सड़कें मात्र नहीं है, मनुष्य का सर्वांगीण विकास इसकी परिभाषा है। हर व्यक्ति को न्याय मिले, हर व्यक्ति स्वयं को दूसरे से जुड़े होने की सार्थकता को समझ सके, यह है वह स्थिति जो हमारे गणतंत्र को सार्थक बनाती है।

18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनावों में हमारे राजनीतिक दलों ने बहुत से वादे और दावे किये हैं। नई सरकार को एक वादा देश के हर नागरिक के साथ करना होगा—संविधान के बुनियादी ढांचे की रक्षा करने का वादा। कोई नयी बात नहीं है यह। हमारा हर निर्वाचित प्रतिनिधि और निर्वाचित सरकार का हर सदस्य संविधान की रक्षा की शपथ लेता है। इस रक्षा का सीधा-सा अर्थ यह है कि हम उन बुनियादी मूल्यों-आदर्शों के अनुरूप जीवन जीने का ईमानदार प्रयास करेंगे जो हमारे संविधान को एक पवित्र ग्रंथ बनाते हैं। सिर्फ माथा टेकने से संविधान की रक्षा नहीं होगी। संविधान के अनुरूप आचरण ही यह रक्षा करेगा।

सबकी नजरें सजा पर टिकी

ऐतिहासिक फैसले में न्यूयॉर्क की अदालत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में दोषी करार दिया। पहली बार है, जब किसी पूर्व या मौजूदा राष्ट्रपति को दोषी करार दिया गया।

वह भी 34 मामलों में। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। ट्रंप ने इस फैसले को अपमानजनक कहा और अध्यक्षता करने वाले जज को भ्रष्ट बताया। वे इसके खिलाफ अपील करेंगे। ट्रंप पर आरोप है कि 2016 में उन्होंने स्कैंडल से बचने के लिए पोर्न फिल्म स्टार को मुंह बंद रखने को कानूनी खर्च के तौर पर गुप्त रूप से मोटी रकम चुकाई थी जो उनके विवाहेतर संबंधों की कहानी अखबार को बेचने की बात कर रही थी।

विशेषज्ञों के अनुसार जिन मामलों में पूर्व राष्ट्रपति दोषी ठहराए गए हैं, उनमें जेल की सजा की संभावनाएं बहुत कम हैं, बल्कि मोटा जुर्माना लगने की संभावना अधिक है। यह भी किउन्हें घर पर नजरबंद रखा जा सकता है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक जेल होने पर भी ट्रंप की उम्मीदवारी को आंच नहीं आ सकती। उनकी पार्टी ने व्हाइट हाउस की दौड़ में शामिल ट्रंप पर अपना भरोसा भी जताया है जबकि अभी औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया जाना बाकी है।

पार्टी के आधे से अधिक पदाधिकारियों का उन्हें पहले से समर्थन प्राप्त है। कहा जा रहा है, उनमें से कुछ के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के दफ्तर द्वारा जब ट्रंप पर लगे आरोपों को घोर अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया था तभी उनके विरोधियों को भरोसा हो गया था कि वे चुनाव से पहले मुसीबतों में घिर सकते हैं। उन्होंने इसे कानूनी मानने की बाजाय राजनीतिक एक्सरसाइज करार दिया।

पहले से ही माना जा रहा है कि सारी कवायद चुनाव को लेकर ही चल रही है। व्यवसायी होने के बावजूद ट्रंप सधे हुए राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। विरोधियों को टक्कर देने के मामले में पूरा दम-खम लगाने से नहीं चूकते। उन्हें युवाओं और जोशीले लोगों का समर्थन रहा है जिनके बारे में आकलन है कि वे अपने नेता के प्रति समर्पित बने रहने में कोताही नहीं करेंगे। हालांकि सबकी नजरें अब सजा पर टिकी हैं, जो अमेरिकी इतिहास ही नहीं, दुनिया भर के राजनीतिज्ञों के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

एसईसीएल मुख्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण का आयोजन

सीएमडी डॉ प्रेम सागर मिश्रा ने भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने का किया आह्वान

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

दिनांक 05.06.2024 को एसईसीएल मुख्यालय प्रशासनिक भवन प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस सोल्लासपूर्ण मनाया गया । इस अवसर पर प्रारंभ में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने निदेशक (वित्त) . श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) फ्रेंक्लिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास, महाप्रबंधक (पर्यावरण) बी.के. जेना, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में पर्यावरण ध्वज फहराया उपरांत कोलइण्डिया कारपोरेट गीत बजाया गया । इस अवसर पर पर्यावरण विषयक पोस्टर एवं पर्यावरण दर्पण पत्रिका का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रतिज्ञा का पठन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने किया जिसे समस्त उपस्थितों ने दोहराया। इस अवसर पर दिनेश पाण्डे एण्ड ग्रुप द्वारा जंगल, जल, जमीन संरक्षण पर केन्द्रित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया जिसे समस्त उपस्थितों ने सराहा। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने का किया आह्वान हुए कहा कि वसुन्धरा को एक बेहतर कल के लिए संवरित करने हेतु एसईसीएल पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हमारा प्रत्येक खनिक दृढ़ मनोबल लेकर प्रकृति को संरक्षित एवं सवंर्धित करने के लिए कृत संकल्पित हैं। यह हमारे उन जीवन मूल्यों के अनुसार ही है जैसा हमारे वेद शास्त्रों में उल्लेखित है . रक्षये प्रकृति पांतुलोका: . हे धरा के वासियों! प्रकृति की रक्षा करो। निदेशक (वित्त) जी. श्रीनिवासन ने कहा जीवन को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण अत्यावश्यक है,

इस दिशा में प्रत्येक व्यक्ति को पुरजोर प्रयास करना चाहिए। हमें अपनी प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए।

निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) फ्रेंक्लिन जयकुमार ने कहा देश की मांग अनुसार हम कोयला उत्पादन करते हैं, साथ ही हमारी जिम्मेदारी यह भी है कि हम प्रकृति का सन्तुलन बनाए रखने के लिए पौधों का रोपण व उनका संवर्धन करें।

निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास ने कहा देश की ऊर्जा आपूर्ति के लिए कोयला उत्खनन के साथ-साथ हमारी कम्पनी एसईसीएल द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी कार्य किया किया जाता है। उन्होंने कहा पृथ्वी के धरोहर को ग्रीन कव्हर करना आवश्यक है जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ्य पर्यावरण दे सकें। उन्होंने आव्हान करते हुए कहा कि प्रति व्यक्ति को प्रति वर्ष अपने आसपास कुछ पौधरोपण कर उनका संरक्षण करें।

कार्यक्रम के अंत में इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं निबंध प्रतियोगिता, वाक् प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने निदेशक (वित्त) जी. श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) फ्रेंक्लिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास, श्रद्धा महिला मण्डल अध्यक्षा पूनम मिश्रा, उपाध्यक्षा राजी श्रीनिवासन, बी. अनिता, महाप्रबंधक (पर्यावरण) बी.के. जेना, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा औषधीय, फ्लदार पौधों व विविध पौधों का रोपण प्रशासनिक भवन स्थित प्रांगण में किया गया ।

इस अवसर पर मुख्यालय में कल्याण विभाग में कार्यरत यशवंत सिंह, प्रबन्धक की पुत्री श्रीनिका गिल द्वारा एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गयी एवं डीएवी स्कूल के बच्चों द्वारा पर्यावरण पर एक सामूहिक गीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक (पर्यावरण) बी.के. जेना ने उपस्थितों का स्वागत करते हुए एसईसीएल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तृत प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उद्घोषणा का दायित्व शेख जाकिर हुसैन मुख्य प्रबंधक (पर्यावरण) ने निभाया । अंत में उपस्थितों को धन्यवाद ज्ञापित डॉ एमएस प्रियंका, एमटी, पर्यावरण विभाग ने किया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में पर्यावरण विभाग टीम की सक्रिय भूमिका रही।

एनटीपीसी सीपत द्वारा 12 लाख से अधिक वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

श्रमबिन्दु / सीपत

एनटीपीसी सीपत में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बालिका सशक्तिकरण अभियान की बालिका और अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं ने नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया7 परियोजना प्रमुख श्री विजय कृष्ण पांडे ने अपने संबोधन में एनटीपीसी सीपत और एनटीपीसी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति किए जा रहे पहल का उल्लेख किया। साथ ही साथ उन्होने जल संरक्षण और जैव विविधता को बनाए रखने और कृषि उत्पादकता का समर्थन करने में विभिन्न जीव के महत्व को रेखांकित किया7इस अवसर पर परियोजना प्रमुख तथा श्री श्रीजित कुमार, महाप्रबंधक (सीपीजी-2) ने उपस्थित सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई7 इसके अलावा श्री रविन्द्र कुमार, निदेशक प्रचालन एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा जारी जो पर्यावरण संरक्षण संदेश को पढ़ा7 इस कार्यक्रम में श्री अनिल शंकर शरण, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) महाप्रबंधकगण, संगवारी महिला समिति के वरिष्ठ सदस्या तथा बड़ी संख्या में अधिकारीगण, यूनियन व एशोसिएशन के प्रतिनिधि तथा कर्मचारियों सम्मिलित हुए।

तत्पश्चात पर्यावरण प्रबंधन विभाग द्वारा वृहत स्तर पर मियावाकी पद्धति के द्वारा उच्चभाटी गांव में 32,000/- पौधारोपण का पहल करते हुए परियोजना प्रमुख तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया7 इसके अलावा एनटीपीसी सीपत के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा रांक ग्राम में सरपंच प्रतिनिधि के साथ मिलकर पेड़ लगाए, जो हरित आवरण बढ़ाने में सहायक होगा7 इन प्रयासों द्वारा एनटीपीसी सीपत हरित राज्य के निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अग्रसर है।

अब दबंग की सवारी करेगी बिलासपुर की जनता.. रिंग रोड 2 में शुरू हुआ शोरूम..

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

बढ़ते पॉल्यूशन के बीच अब ई रिक्शा की मांग लगातार बढ़ती जा रही है वहीं सस्ती होने और किफायती के साथ-साथ ई रिक्शा इको फ्रेंडली होती है.. विश्व पर्यावरण के दिवस के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ के दूसरे सबसे बड़े शहर बिलासपुर के रिंग रोड क्रमांक 2 में दबंग ई रिक्शा शोरूम का उद्घाटन किया गया.. इस दौरान कंपनी के अध्यक्ष और बिलासपुर फ्रेंचाइजी लेने वाले प्रतीक्षा साहू ने पर्यावरण के महत्व को बताते हुए कहा कि बढ़ती प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए ई रिक्शा आज आम लोगों के आवागमन का सबसे बड़ा साधन बनती जा रही है.. दबंग ई रिक्शा अपने आप में कई विशेष मॉड्यूल के साथ दूसरे ई रिक्शा से बेहतर है क्योंकि दबंग ई रिक्शा में कहीं नट बोल्ट का प्रयोग नहीं किया गया है वेल्डिंग होने की वजह से इसकी मजबूती और भी अधिक बढ़ जाती है वहीं दूसरे ई रिक्शा से कम दामों में दबंग ई रिक्शा बाजार में मौजूद है वही अपने बेहतर माइलेज और पावरफुल पिकअप को लेकर दूसरे ई रिक्शा के मुकाबले दबंग रिक्शा कहीं ज्यादा बेहतर है.. बिलासपुर के रिंग रोड नंबर 2 में शुरू हुए ई रिक्शा शोरूम में ई रिक्शा के साथ-साथ माल वाहक ई रिक्शा भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है जो कई सेगमेंट में दूसरे ई रिक्शा से कहीं बेहतर है..

खास खबर

4 लुटेरे गिरफ्तार, मोबाईल लूट की घटना को देते थे अंजाम

रायपुर। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी सिविल लाईन Civil Line Police के नेतृत्व में थाना सिविल लाईन पुलिस द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस.पास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही अज्ञात आरोपी की पतासाजी हेतु मुखबीर भी लगाये गये इसी दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा भविक नायक, रोहित हरपाल एवं 01 अपचारी बालक को घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल यामहा वाहन के साथ पकड़कर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी/अपचारी बालक द्वारा लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार कर शहर के अलग अलग स्थानों से रात में अंधेरे एवं सूनसान स्थानों का फायदा उठाकर कुल 05 नग मोबाईल फोन को अम्बुजा मॉल, मैग्नेटो मॉल, घड़ी चौक, शंकरनगर एवं दलदल सिवनी मोवा के आसपास से लूट करना बताया गया अन्य अपचारी बालक के पास बिक्री करना बताये।

नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्याम नारायण गुप्ता ने बुथ क्रमांक 180,181,182 में भारतीय जनता पार्टी को दिलाई महत्वपूर्ण बढ़त

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

लोकसभा चुनाव में पत्थलगांव की सक्रिय जन नेता श्यामनारायण गुप्ता को पत्थलगांव शहरी क्षेत्र 180, 181, 182 की जिम्मेदारी सौंपी गई थी जो की पत्थलगांव के पूर्व विधायक रामपुकार सिंह के गृह निवास से लगा हुआ है जहां इन्होंने पूरी मेहनत कर तीनों बुथ क्रमांक में भाजपा को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई बूथ क्रमांक 180 पुरानी बस्ती जहां भाजपा को 325 वोट एवं कांग्रेस को मात्र 180 वोट मिले बुथ क्रमांक 181 ढोडी टिकरा जहां बीजेपी को 434 वोट एवं कांग्रेस तो मात्र 181 वोट मिले वही बुथ क्रमांक 182 जहां बीजेपी को 326 वोट और कांग्रेस को मात्र 182 वोट मिले इन्होंने विधानसभा में भी महत्वपूर्ण बढ़त दिलाकर पत्थलगांव विधायक गोमती साय के जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसके लिए स्थानीय विधायक गोमती साय ने इनकी भूरी भूरी प्रशंसा की इनके बारे में कहां जाता है कि चुनाव में रणनीति बनाकर जिताने में माहिर है विपरीत परिस्थितियों में भी वोटरों में अपना प्रभाव बनाकर जीत का रास्ता सुलभ कर लेते हैं

कौशलेश शर्मा ने नीट परीक्षा में 720में 646 अंक लाकर मेडिकल कॉलेज सीट पक्की की

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

कौशलेश शर्मा स्व. राजेंद्र (राजू) शर्मा के सुपुत्र मां कुसुम शर्मा स्व .ओमी महाराज के पोते ने नीट परीक्षा में 720 में 646 अंक लाकर मेडिकल कॉलेज की सीट पक्की की एवं पत्थलगांव का नाम रोशन किया बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं इन्होंने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई जोगपाल पब्लिक स्कूल से 12वीं तक की दसवीं में इन्होंने 78ब एवं 12वीं में 88ब अंक प्राप्तकिया शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहे नीट परीक्षा 2023 में इन्होंने पहला प्रयास किया जिसमें 14 नंबर से वे पात्रता प्राप्त नहीं कर पाए इस वर्ष 2024 में इन्होंने दूसरी बार प्रयास किया नीट परीक्षा में 720 में 646 अंक प्राप्त किया इन्होंनेऑल इंडिया 32819 एवं ईडब्लूएस केटेगरी रैंक 4124 प्राप्त कर अपनी मेडिकल सीट पक्की की इनसे जब बात किया गया तो उन्होंने बताया कि इन्होंने कोचिंग के लिए बड़े-बड़े शहरों का रुख न करके घर में ही ऑनलाइन कोचिंग करके स्वयं से पढ़ कर सफलता हासिल इनके सफलता प्राप्त करने पर पूरे नगर में हर्ष का माहौल सभी ने सोशलमीडिया के माध्यम से बधाई दी उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एनटीपीसी सीपत द्वारा 12 लाख से अधिक वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

श्रमबिन्दु / सीपत

एनटीपीसी सीपत में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालिका सशक्तिकरण अभियान की बालिका और अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं ने नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया7 परियोजना प्रमुख श्री विजय कृष्ण पांडे ने अपने संबोधन में एनटीपीसी सीपत और एनटीपीसी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति किए जा रहे पहल का उल्लेख किया। साथ ही साथ उन्होने जल संरक्षण और जैव विविधता को बनाए रखने और कृषि उत्पादकता का समर्थन करने में विभिन्न जीव के महत्व को रेखांकित किया7इस अवसर पर परियोजना प्रमुख तथा श्री श्रीजित कुमार, महाप्रबंधक (सीपीजी-2) ने उपस्थित सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई7 इसके अलावा श्री रविन्द्र कुमार, निदेशक प्रचालन एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा जारी जो पर्यावरण संरक्षण संदेश को पढ़ा7 इस कार्यक्रम में श्री अनिल शंकर शरण, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) महाप्रबंधकगण, संगवारी महिला समिति के वरिष्ठ सदस्या तथा बड़ी संख्या में अधिकारीगण, यूनियन व एशोसिएशन के प्रतिनिधि तथा कर्मचारियों सम्मिलित हुए।

तत्पश्चात पर्यावरण प्रबंधन विभाग द्वारा वृहत स्तर पर मियावाकी पद्धति के द्वारा उच्चभाटी गांव में 32,000/- पौधारोपण का पहल करते हुए परियोजना प्रमुख तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया7 इसके अलावा एनटीपीसी सीपत के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा रांक ग्राम में सरपंच प्रतिनिधि के साथ मिलकर पेड़ लगाए, जो हरित आवरण बढ़ाने में सहायक होगा7 इन प्रयासों द्वारा एनटीपीसी सीपत हरित राज्य के निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अग्रसर है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) बिलासपुर के 31 छात्र नीट यूजीसी 2024 में टॉप स्कोरर

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

देश भर में प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों के प्रसिद्ध आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) बिलासपुर के 31 छात्रों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी एनटीए) द्वारा घोषित परिणानों में नीट यूजीसी की 600 और उससे अधिक अंक प्राप्त कर शहर प्रदेश और संस्था का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, लगन और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग का प्रमाण है। परीक्षा में 2 छात्रों ने 700 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

सैनी रंजन दास ने परीक्षा में 710 अंक लाकर कर देश में 698वां स्थान प्राप्त किया वहीं अर्पित गुप्ता ने 700 अंक के साथ देश में 1,796वा स्थान हासिल किया।

एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में छात्रों ने नीट की तैयारी की, जिसे दुनिया भर में होने वाली सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। वे अपनी इस सफलता का श्रेय कांसेप्ट की आसान और गहन समझ और अनुशासित स्टडी टाइग टेबल को देते हैं। छात्रों ने कहा, हम आभारी हैं कि आकाश ने हमें दोनों में मदद की है। एईएसएल से सामग्री और कोचिंग गदि नहीं होती, तो हम इतने थोड़े समय में अलग अलग कई विषयों के कांसेप्ट को नहीं समझ पाते।

छात्रों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के रीजनल डायरेक्टर डॉ. एचआर राव ने कहा, हम छात्रों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं। पूरे देश से 20 लाख से अधिक छात्र नीट 2024 में शामिल हुए। उनकी यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और लगन के साथ-साथ उनके माता-पिता के समर्थन की भी बखूबी बयां करती है। हम अपने छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा नीट का आयोजन साल में एक बार किया जाता है। यह उन छात्रों के लिए एक प्रतियोगिता परीक्षा है जो भारत में सरकारी और निजी संस्थानों में स्नातक चिकित्स (MBBS), दंत चिकित्सा (BDS) और आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी (BAMS, BUMS BHMS आदि) पाठ्यक्रम करना चाहते हैं, साथ ही विदेश में प्राथमिक चिकित्सा योग्यता प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिए भी है।

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में पर्यावरण की प्रोफेसर और पृथ्वी आयोग की सहअध्यक्ष जोइता गुप्ता कहती हैं- अगर धरती की सालाना जांच हो तो डॉक्टरों को आश्चर्य होगा कि इतनी बीमार धरती आखिर जिंदा कैसे है? सचमुच धरती बहुत बीमार है, लेकिन दुनिया को कुछ फर्क नहीं पड़ता। वैज्ञानिकों का कहना है अब बहसों का कोई फायदा नहीं। बीमार धरती की सेहत में कोई सुधार तभी हो सकता है, जब हम तुरंत कोयला, जीवाश्म ईंधन, डीजल, पेट्रोल और प्राकृतिक गैसों का उपयोग बंद कर दें, जो कि संभव नहीं लग रहा।

धरती को बचाने के लिए रखें

पर्यावरण की शुद्धता

धरती पर्यावरण सुरक्षा के 7 बिंदुओं को पार कर चुकी है। दूसरे शब्दों में हम खतरे के 7 बैरियर्स तोड़ चुके हैं और खतरनाक तरीके से 8वें के तोड़ने के नजदीक पहुंच गए हैं। यहां तक पहुंचने के बाद ज्यादातर पर्यावरण वैज्ञानिकों को उम्मीद नहीं बची कि फिर से हम उसे साफ और शुद्ध वातावरण का कभी एहसास कर सकते हैं, जो कभी धरती की खूबी थी।

पर्यावरण वैज्ञानिकों की मानें तो धरती में करीब 5 लाख से ज्यादा जीव प्रजातियां पिछले कुछ दशकों में लुप्त हो चुकी हैं। हजारों वनस्पतियां गायब हो चुकी हैं। धरती का समूचा मौसम पैटर्न बदल चुका है। सबसे भयावह बात यह है कि इतनी खराब स्थिति के बावजूद हर साल आज भी पृथ्वी में 15 अरब से ज्यादा पेड़ काटे जा रहे हैं।

हुए भी इतने निष्ठुर कैसे हो गए?

सब कुछ देखने समझने के बावजूद आखिर हमने धरती को बचाने की ईमानदार कोशिश क्यों नहीं की? धरती आखिर इतनी बीमार कैसे पड़ गई जबकि पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार धरती की सेहत का हाल हमें बता रहे थे। पर्यावरण पर काम करने वाले संगठन यूरो न्यूज के अनुसार हम मनुष्यों ने अपने छोटे- छोटे फायदों के लिए मनुष्य के साझे

भविष्य को भयानक संकट के हवाले कर दिया है। यूरो न्यूज की वैज्ञानिक टीम द्वारा किये गये एक विश्लेषण के मुताबिक, पिछले दो दशकों से लगातार आगाह किए जाने वाले के बावजूद हम नियमित रूप से गर्म से गर्मतर हो रहे तापमान की तरफ बढ़ रहे हैं।

धरती के संयम और उसकी सहन करने की एक सीमा

वैज्ञानिकों के मुताबिक धरती के सहन करने की जो 7 सीमाएं थीं, वो थीं- बिगड़ती जलवायु, जहरीली होती वायु, रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध इस्तेमाल, पानी का फास्फोरस और नाइट्रोजन से प्रदूषण, भूजल का खात्मा, ताजे पानी का मनमानी दुरुपयोग और मानव निर्मित भू-वातावरण। वैज्ञानिकों के मुताबिक सबसे खतरनाक सीमा वायु प्रदूषण की थी। आखिरकार धरती जैसे संवेदनशील ग्रह की हवा के जहरीली होने की एक सीमा थी। लेकिन लगातार वैज्ञानिकों के आगाह किए जाने के बाद भी हवा को जहरीले बना रहे संगठनों, संस्थानों के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। स्वीडन स्थित वैज्ञानिकों के इस समूह ने माना है कि धरती के संयम और उसकी सहन करने की एक सीमा थी,लेकिन धरती के साथ अन्याय करने वालों, खिलवाड़ करने वालों ने इस सीमा की लाज नहीं रखी। आज स्थिति यह है कि पृथ्वी का लगभग दो तिहाई हिस्सा मीठे पानी के सुरक्षा मानदंडों को पूरा नहीं करता। दिल्ली में यमुना पहले कभी कभार प्रदूषित झाग से आच्छादित रहती थी,अब साल के ज्यादातर समय न केवल यमुना का पानी बेहद प्रदूषित रहता है, लेकिन अब किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता।

तीखी धूप और लू से बचाएं गुलाब को

गर्मियों के दिनों में रातें छोटी व दिन बड़े हो जाते हैं। यह गुलाब को फूल देने के लिए विपरीत स्थिति है। गुलाब के पौधों पर गर्म हवाओं व तेज धूप का विशेष प्रभाव पड़ता है।

डॉ.देशबंधु अंगिरा

गर्मियों के पौधों की देखभाल करना बहुत परेशानी भरा काम होता है। एक तो दिनभर लू चलती है दूसरा तेज धूप। इन स्थितियों में फूलों के पौधों को बचाना और उनसे पुष्प लेना सरल नहीं होता। फूलों का राजा गुलाब एक ऐसा पुष्प है जो हर मौसम में अपनी आभा के साथ मुस्कुराता रहता है। तो आइये देखते हैं कि इसकी देखभाल कैसे करें ताकि उससे फूल मिलते रहें।

होम गार्डन

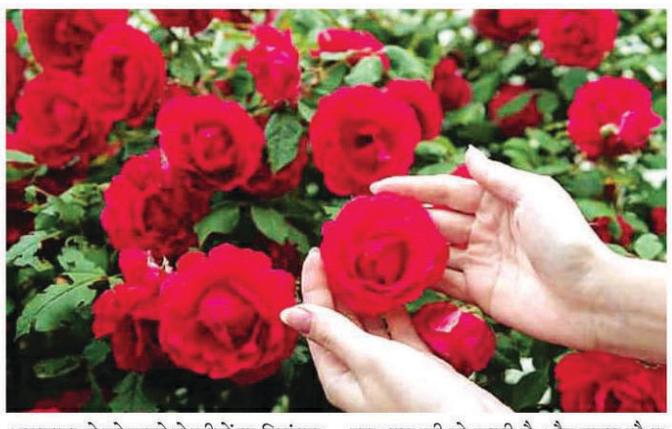

गर्मियों के दिनों में रातें छोटी व दिन बड़े हो जाते हैं। यह गुलाब को फूल देने के लिए विपरीत स्थिति है। गुलाब के पौधों पर गर्म हवाओं व तेज धूप का विशेष प्रभाव पड़ता है, इससे फूलों का साइज छोटा हो जाता है। रंग हल्का पड़ जाता है व वृद्धि भी कम हो जाती है। कुछ कीटों का आक्रमण भी हो जाता है। पत्तियां धब्बेदार हो जाती हैं व हल्की पीली पड़ जाती हैं। कहीं- कहीं जाले का प्रकोप दिखाई पड़ने लगता है। कुछ कीट पत्तियों व कोमल तनों से रस चूसने लगते हैं परिणाम स्वरूप पौधों वृद्धि रूक जाती है। इससे बचने के लिए 2 ग्राम कोडोप 1 लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अन्तराल से स्प्रे करने से कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। यूईसी डायमेथोएट एन 50 ईसी पैथालियान 1 मिली प्रतिलीटर घोल कर स्प्रे करने से भी अन्य बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है।

गर्मियों में डांडो से फुराब निकलता है। यह गुलाब के पौधे के सन्धिस्थ के सन्धिस्थल अर्थात चश्मे वाले स्थान के नीचे से भी निकल सकता है। यह वास्तव में स्टाक का हिस्सा दूसरे शब्दों में जंगली हिस्सा है। यह एक बार बढ़ जाने और इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह सारी खुराक ले लेता है और अधिकांश वृद्धि इस भाग की हो जाती है और मुख्य पौधा मर जाता है। गुलाब के पौधे में इस प्रकार की वृद्धि फुटाव को तुरंत किसी तेज प्रनर से काट देना चाहिए। यदि आपने गुलाब के पौधों को नेट के नीचे संरक्षण दे कर तेज धूप से बचाव कर लिया है तो गमलों में दिन में 1 बार और यदि पौधे खुले में हैं तो जरूरी होने पर सवेरे और शाम को दोनों बार पानी दिया जा सकता है। शाम के समय पानी की तेज धार से पौधों को नहलाएं इससे पौधों के ऊपर जमी रेत मिट्टी हटने से इन पर जमे कीट लाल चींटी और जाले आदि साफ हो जाते हैं।

गर्मी में अवॉइड करना चाहिए बहुत गर्म पानी

फिटनेस फ्रीक्स और वजन कम करने की कोशिश में लगे लोग अपने दिन की शुरूआत एक गर्म कप पानी के साथ करना पसंद करते हैं। कुछ लोगों के लिए ये सुबह के पहले कामों में से एक हो सकता है। एक कप गर्म पानी को बॉडी डिटॉक्स के लिए अच्छा माना जाता है।

कुछ लोग पूरे दिन गर्म पानी भी पीते हैं। गर्मी में गर्म पानी पीएं या नहीं, ये एक ऐसा सवाल है जिस पर खूब चचाएं होती है। कुछ लोग इसे सेफ मानते हैं तो वहीं कुछ लोग इसे नुकसानदायक मानते हैं। क्या वाकई गर्मियों में बहुत ज्यादा गर्म पानी नुकसानदायक हो सकता है?

होगा उल्टा असर

बहुत गर्म पानी न पिएं, क्योंकि इसका उल्टा असर हो सकता है। गर्म पानी ब्लड फ्लो में सुधार करता है, इसलिए यह दर्द, खासकर मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द से राहत दिला सकता है। लेकिन बहुत गर्म पानी न पिएं, क्योंकि इसका असर उल्टा हो सकता है और इससे आपके जोड़ों में सूजन आ जाएगी।

दिल की सेहत के लिए जरूरी है मूंग दाल

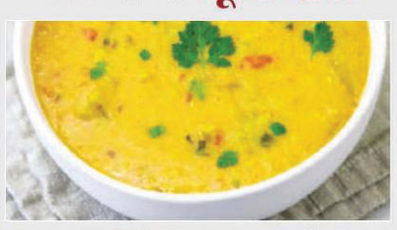

मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। प्रोटीन त्वचा और बालों की कोशिकाओं के निर्माण और सुधार में मदद करता है। मूंग दाल फाइबर और पोटैशियम का भी अच्छा स्रोत है,जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है,जबकि पोटैशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। मूंग दाल में वसा और सोडियम भी कम होता है। मूंग दाल प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है,जो वजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

प्रोटीन मांसपेशियों के निर्माण और रखरखाव में मदद करता है,जबकि फाइबर आपको खाने के बाद पूर्ण और संतुष्ट महसूस करने में मदद करता है। फाइबर पाचन तंत्र को सक्रिय रखने में मदद करता है और कब्ज से बचाता है। मूंग दाल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिसका मतलब है कि इसे खाने के बाद रक्त शर्करा के स्तर में तेजी से वृद्धि नहीं होती है। यह इसे मधुमेह या प्रीडायबिटीज वाले लोगों के लिए एक अच्छा भोजन विकल्प बनाता है। मूंग दाल में मौजूद जिंक और आयरन स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बंजारी दाल

सामग्रीः 1 इंच अदरक का टुकड़ा कटा हुआ,स्वादानुसार नमक,1/4 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, 3/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर,1 बड़ा चम्मच धनिया पत्ती बारीक कटी हुई,1/5 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 1/5 छोटा चम्मच धनिया पाउडर,2 हरी हरी मिर्चबारी बारीक कटी हुई,3 साबुत लाल मिर्च,दालचीनी 1 छोटा टुकड़ा दाल,2 लौंग के टुकड़े,2 प्याज कटे हुए, 2-3 कप छिलके वाली उड़द दाल,1/3 कप चना दाल,1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर,1/5 बड़ा चम्मच देसी घी

ऐसे बनाएं: दाल को साफ पानी से धोकर कुछ देर के लिए भिगोएं। प्रेशर कुकर में दाल,तीन कप पानी,हल्दी और नमक डालकर चार-पांच सीटी आने तक पकाएं। एक कड़ाही में घी गरम कर उसमें प्याज,लौंग, दालचीनी और सूखी लाल मिर्च डालकर मध्यम आंच पर भूनें। प्याज जब सुनहरा हो जाए तो उसमें अदरक- लहसुन का पेस्ट, धनिया पाउडर, हरी मिर्च, काली मिर्च पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालें तथा कुछ देर भूनें। जब मसाले भुन जाएं तो उसमें उबली दाल डालें। पूरे मिश्रण को लगभग पांच मिनट और पकाएं। आपकी बंजारी दाल बनकर तैयार है। अदरक के लंबे टुकड़ों और धनिया पत्ती से सजाकर परोसें।

धूप से काला हो गया चेहरा तो लगाएं खरबूजे का फेसपैक

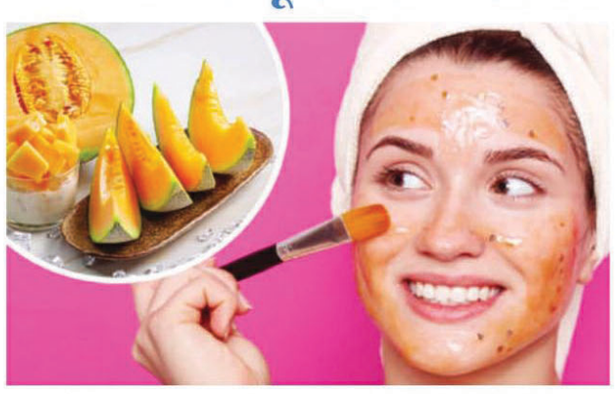

गर्मियों के फल त्वचा के साथ-साथ शरीर को भी तरोताजा कर देते हैं। ये पूरी तरह पानी से भरे हुए होते हैं, जो हमारे शरीर में होने वाली पानी की कमी को पूरा करने के लिए कारगर साबित हो सकते हैं। इनमें से एक है खरबूजा। इनमें मौजूद विटामिन ,बी और सी हमारी त्वचा को स्वस्थ,युवा और मुलायम बनाए रखते हैं।

त्वचा को प्रदान करता है नमी : खरबूजा त्वचा की शुष्कता को दूर करता है। यह त्वचा को हाइड्रेट करता है,क्योंकि इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह त्वचा की उम्र बढ़ने से रोकता है। खरबूजा झुर्रियां,काले धब्बे, काले घेरे को दूर करता है। इनमें फोलिक एसिड होता है जो त्वचा कोशिकाओं को पुनर्जीवित करता है और त्वचा को स्वस्थ और यंग रखता है। इनमें मौजूद विटामिन ए और सी कोलेजन उत्पादन को बढ़ाते हैं। इससे त्वचा में चमक बनी रहती है।

क्लींजर के रूप में यूज करें खरबूजा : खरबूजे के टुकड़े लें और इससे पूरे चेहरे और गर्दन पर मालिश करें। फिर इसे 15- 20 मिनट तक रखें और सूखने के बाद अपना चेहरा धो लें। यह आपके चेहरे से गंदगी हटा देगा। इससे आपका चेहरा फ्रेश फील करेगा।

ऐसे बनाएं फेस पैक

खरबूजे को मैश कर लें। फिर इनमें कॉफी पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं और चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। पहले चेहरे और गर्दन को धीरे-धीरे रगड़ें।

गर्मी का कहर

समझिए हीट स्ट्रोक और स्ट्रेस में अंतर

गर्मी का कहर कम नहीं हो रहा है। ऐसे मौसम में दो खतरनाक बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। लंबे समय तक धूप में वक्त बिताने से कई तरह की तकलीफें शुरू हो सकती हैं। इस मौसम में पसीना बहुत आता है इस कारण लोगों में डिहाइड्रेशन, कमजोरी लगना, हीट स्ट्रोक, हीट स्ट्रेस जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। कई लोगों को हीट स्ट्रोक और हीट स्ट्रेस के बीच का अंतर नहीं पता है, जिसके कारण वह समय से इसकी पहचान नहीं कर पाते हैं। घर आप लंबे समय तक हीट का स्ट्रेस अनुभव करते हैं, तो इससे आप हीट स्ट्रोक का भी शिकार हो सकते हैं। अगर मौसम काफी गर्म है और आप कड़ी मेहनत कर रहे हैं, तो हीट स्ट्रोक होने में समय नहीं लगेगा। इसलिए यह जरूरी है कि हीट स्ट्रेस के शुरुआती लक्षण से ही उपचार शुरू कर दिया जाए। आइए जान लेते हैं हीट स्ट्रोक और हीट स्ट्रेस के बीच का अंतर और दोनों के लक्षण के साथ-साथ बचाव।

क्या है हीट स्ट्रेस?

यह तब होता है जब शरीर पर्याप्त तौर पर खुद को ठंडा नहीं रख पाता है और उसका तापमान खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। ऐसे हालत में शरीर के अंग काम करना बंद कर देते हैं। यह तब होता है जब पसीने के वाष्पीकरण की प्रक्रिया हवा के बहुत नम होने की वजह से बंद हो जाती है और अत्यधिक गर्मी से निजात नहीं मिल रही होती है।

क्या होता है हीट स्ट्रोक?

गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने के साथ- साथ लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। लू दो तरह की होती है। एक्सर्शनल हीट स्ट्रोक अधिक गर्मी के कारण होता है जबकि नॉन एक्सर्शनल हीट स्ट्रोक का कारण उम्र या बीमारियां होती हैं। यह बहुत आवश्यक है कि व्यक्ति के शरीर का तापमान 36.1-37.8 सेल्सियस के बीच रहे। यदि शरीर का तापमान इससे ऊपर जाता है तो उस व्यक्ति को हीट स्ट्रोक हो सकता है। जब आपके शरीर का तापमान कंट्रोल नहीं हो पाता है और शरीर पसीना बनाना बंद कर देता है, तो हीट स्ट्रोक होता है।

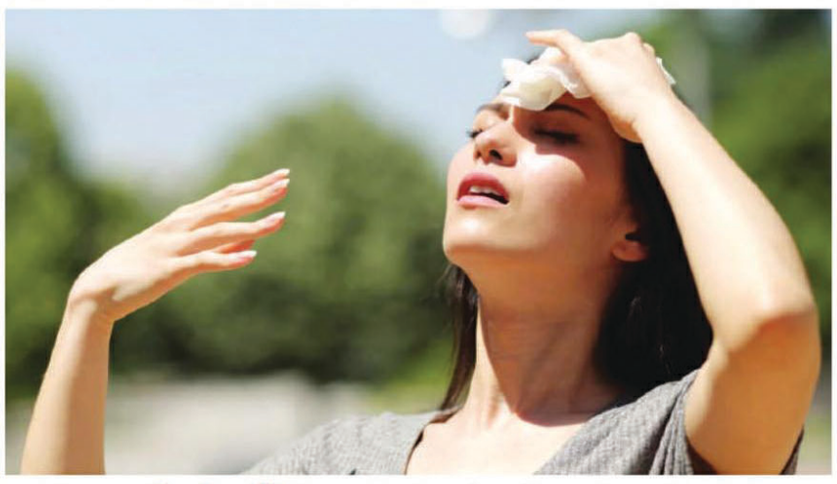

कैसे बचें हीट स्ट्रोक और हीट स्ट्रेस से

दिन में 10-12 गिलास या 2.5 से 3 लीटर पानी पिएं। ठंडे माहौल में रहें और ढीले व आरामदायक कपड़े पहनें। शरीर के तरल पदार्थों को जल्दी से पूरा करने में इससे मदद मिल सकती है। गर्मियों में नारियल पानी और नींबू पानी जैसे पेय का सेवन जरूर करते रहें। जितना संभव हो सके सूरज के संपर्क में आने से बचें, खासकर दोपहर के दौरान। आप जितना हो सके गर्मी के मौसम में अपनी डाइट में सब्जियों में खीरा, पुदीना, ककड़ी और फलों में तरबूज, खरबूजा, अनानास, संतरा, स्वीट लाइम अवश्य शामिल करें। इनमें सोडियम और कैलोरी कम होती है। पोटैशियम और विटामिन सी, ए और एंटीऑक्सीडेंट्स अधिक होते हैं। ये ताजे मौसमी फल और सब्जियां शरीर को ठंडा रखने के साथ ही पानी की कमी होने से भी बचाते हैं। देर रात डिनर करने से बचना चाहिए।

व्रत त्योहार

(5 से 11 जून 2024)

शनैश्चर जयंती

6 जून

ज्येष्ठ माह की अमावस्या को शनैश्चर जयंती मनाई जाती है। इस दिन भक्तों को ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए। शनैश्चर अमावस्या को शनिदेव से जुड़ी वस्तुओं की निज उपयोग के लिए खरीददारी नहीं करना चाहिए और उनको जनमानस के लिए दान करना चाहिए। शनिदेव पीड़ितों और कमजोरों को संबल और बल प्रदान करते हैं। समाज के निम्नतम तबके के लिए संवेदनशील रहते हैं। शनि उपासकों को भी जनहित के लिए जुटा रहना चाहिए।

सावित्री वट पूजा

6 जून

ज्येष्ठ माह की अमावस्या को सुहागिनें सावित्री वट पूजा करती हैं। इसके लिए वे इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करती हैं। फिर बरगद के पेड़ को जल अर्पित करती हैं। इसके बाद वट सावित्री व्रत की कथा सुनती हैं और फिर वट यानी बरगद के पेड़ में लाल या पीला धागा बांधकर सात बार उसकी परिक्रमा करती हैं। यह विशेष पूजा पति की लंबी आयु की कामना के लिए की जाती है। इस साल ज्येष्ठ अमावस्या 5 जून को शाम 7 बजकर 54 मिनट से शुरु होकर 6 जून 2024 को शाम 6 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के कारण सावित्री वट पूजा 6 जून 2024 को मनायी जायेगी। वट सावित्री पूजा पति- पत्नी के संबंधों की मजबूती,समर्पण व त्याग का प्रतीक है।

-ज्योतिषाचार्य गोकुल चन्द सैनी

खास खबर...

जनपद क्षेत्र के अमृत सरोवरों में वृक्षारोपण कर मनाया गया पर्यावरण दिवस

श्रमबिन्दु / फरसगांव

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.एल. चुरेन्द्र के मार्गदर्शन में विकासखण्ड फरसगांव के अंतर्गत निर्मित अमृत सरोवर स्थलों को स्थायी प्रतीक के रूप में आदर्श संरचना मानते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर समस्त अमृत सरोवर स्थलों पर फलदार पौधे आम, बरगद, नींबु, नीम, पीपल, कटहल, काजु, अमरूद लगाकर लोगो को पर्यावरण संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान कर मानव जीवन में पौधे का महत्त्व बताया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, सचिव, ग्रामीणजन एवं छतीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत संचालित कलस्टर संगठन, ग्राम संगठन एवं स्व सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन कार्य संपन्न होने पर आभार प्रकट किया

कांकेर। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के दूसरे चरण में कांकेर लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया सम्पन्न कराने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहभागिता निभाने वालों के प्रति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह ने आभार प्रकट किया है। उन्होंने लोकसभा निर्वाचन में हिस्सा लेने वाले जिले के सुधि मतदाताओं के प्रति आभार जताया है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोकसभा आम निर्वाचन में 26 अप्रैल को मतदान के पश्चात 04 जून को मतों की गणना के लिए सौंपे गए दायित्वों को सजगता के साथ निर्वहन कर पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से मतगणना कार्य संपन्न कराने में सहभागिता निभाई है। उन्होंने अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, माइक्रो ऑब्जर्वर, मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक, मास्टर ट्रेनर्स सहित ईवीएम के परिवहन में लगे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों व अन्य संलग्न कर्मचारियों के सतत् परिश्रम की सराहना करते हुए आभार जताया है। इसके अलावा डाक मतपत्र और ईटीपीबी में लगे कर्मचारियों और सभी जरूरी व्यवस्था करने वाले नोडल अधिकारियों के प्रति भी जिला निर्वाचन अधिकारी ने आभार माना है। इसी तरह मतगणना स्थल पर सुरक्षा की कमान संभालने वाले पुलिस के आला अधिकारी एवं जवानों, अर्द्धसैनिक बल एवं केन्द्रीय बल के जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार निर्वाचन से संबंधित गतिविधियों, निर्देशों एवं जानकारियों का प्रचार-प्रसार करने वाले प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं वेब मीडिया के सभी पत्रकारों के प्रति भी आभार जताया है। साथ ही प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से निर्वाचन कार्य में सौंपे गए उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने वाले सभी लोगों के प्रति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रकट किया है।

पी.ए.टी. एवं पी.व्ही.पी.टी. प्रवेश परीक्षा 09 जून को

कांकेर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा 09 जून दिन रविवार को प्रात: 09 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक पी.ए.टी. एवं पी.व्ही.पी.टी. प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। कांकेर जिले से पी.ए.टी. प्रवेश परीक्षा में 1075 एवं पी.व्ही.पी.टी. प्रवेश परीक्षा में 643 परीक्षार्थी सहित कुल 1718 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा उक्त परीक्षा के सफल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री आस्था बोरकर को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक शिक्षा श्री लक्ष्मण कावड़े को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रवेश परीक्षा हेतु शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेंट माईकल हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदपुर, शासकीय नरहरदेव हायर सेकेंडरी स्कूल कांकेर तथा शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल लट्टीपारा कांकेर को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

बाल श्रम उन्मूलन हेतु जिला स्तरीय टीम गठित

कांकेर। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा बाल एवं किशोर श्रम के उन्मूलन की दिशा में बचाव अभियान कार्यक्रम अनुसंधान और तथ्य-खोज अध्ययन जैसे विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रहा है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में भी बाल श्रम अधिनियम के तहत घरेलु श्रमिकों अथवा नौकरशाह के रूप में बच्चों का नियोजन तथा कारखाना, ऑटो मोबाईल वर्कशाप एवं गैरेज आदि संस्थानों में बच्चों के नियोजन प्रतिबंधित करने हेतु जिला स्तरीय दल गठित कर उक्त संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है।

किसी बड़ी अनहोनी के इंतज़ार में जिला प्रशासन, सात सालों से अवैध चल रहा डामर प्लांट

लोगों के जलती आंख, बीमारी की जंजाल में सुकमा, एनजीटी नियमों की धज्जियां उड़ाता वीएसआर अवैध प्लांट

श्रमबिन्दु / शहनवाज खान

सुकमा। अवैध रूप से सरकारी भूमि पर संचालित जिला मुख्यालय स्थित हॉट मिक्स डामर प्लांट विवादों में है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह जमीन सरकारी जो राजस्व के लिए आरक्षित की गई थी, जिसे डामर प्लांट सुकमा निवासी ठेकेदार को बिना लीज के दिया गया और उसपर डामर प्लांट डाला गया। यह जमीन राजस्व विभाग की है, जिसमें ठेकेदार ने अपना प्लांट लगाया है और इससे निकलने वाले धुएं से स्कूली छात्र-छात्राएं सहित वहा के स्थानीय लोग परेशान और सड़क में आने जानें वाले लोगों के लिए आफ़त बनी हुई है।

सरकारी जमीन पर सालों से काबिज गरीबों और ठेले गुमटियों हटवाने वाला और कार्रवाई करने वाला राजस्व विभाग अवैध रूप से चल रहे डामर प्लांट को रोकने में नकारा साबित हो रहा है। 07 साल से अधिक समय से सुकमा जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस के सामने अवैध डामर प्लांट का संचालन किया जा रहा है।

डामर प्लांट से निकलने वाले धुंए से लोग बहुत परेशान है। कई बार स्थानीय लोगों ने उक्त प्लांट के खिलाफ प्रशासन के अफ़सरों से शिकायत भी किया,लेकिन प्रशासन की कार्यशैली ऐसी बनी हुई कि उन्हें आम जनता को होने वाली परेशानी से कोई मतलब नहीं है। जबकि डामर प्लांट एनजीटी के नियमों के खिलाफहै। प्लांट से उड़ने वाले धुएं से आसपास काली धुंध बन रही है। इससे लोगों को सांस लेने में काफी दिक्कत हो रही है। प्लांट से उठ रहे धुएं के चलते डस्ट आकर पानी व खाना बर्तन कपड़ो पर काला किट जम जाता है। इस प्लांट के काले धुएं से नेशनल हाईवे सड़क पर चलने वाले लोगों को आंख जलन की शिकायत आ रहीं हैं और इसकी बदबू कोतवाली पुलिस थाना तक जाती हैं। इस प्लांट के अगल-बगल मोहल्ले में लोग निवास कर रहे हैं, जहां छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग परेशान हैं।

एनजीटी नियमों को दरकिनार कर सालों से संचालित अवैध डामर प्लांट के खिलाफ प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। आपको बता दें प्लांट के ठीक सामने सर्किट हाउस स्थित है और आय दिन यहां वीवीआईपी का आना-जाना लगा रहता है। जहां राजस्व विभाग के जिम्मेदार अफ़सरों के साथ हर कोई नेता और अधिकारी गुजरते हैं। यहां बनने वाले डामर के धुएं से पूरा क्षेत्र प्रदूषित हो रहा है। लोगों की ओर से शिकायत करने के बाद हालात जस के तस बने हुए है। अब सुबह से ही प्लांट में डामर मिक्स करने का काम शुरू हो जाता है।

पास में बच्चों की होती हैं स्कूल संचालित

एनजीटी नियमों में स्कूल, अस्पताल और रिहायशी इलाकों से करीब 3 से 4 किमी दूर डामर, क्रेशर और अन्य प्रदूषित यंत्रों का संचालन किया जाने का प्रावधान है लेकिन प्लांट संचालक विनोद सिंह राठौर पर किसी तरह के नियम लागू नहीं होते हैं। इसलिए इतने साल पहले लीज खत्म होने के बाद भी प्रशासन द्वारा प्लांट संचालन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। प्लांट के पास में ही प्राइवेट स्कूल संचालित हैं। यहां पढ़ने वाले बच्चों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जहरीले धुएं का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ता है। इसकी चपेट में आने से बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एक तरफ जिला प्रशासन लगातार सुपोषण अभियान चलाकर बच्चों को प्रोटीन पोषण आहार देकर, महिलाओं और बच्चों को सुपोषित कर रही है, वही डामर प्लांट से निकलने वाले धुएं के कारण कई तरह की बीमारियों के साथ ही कुपोषण भी फैल सकता है। कांग्रेस पार्टी का जिला मुख्यालय भी पास में हैं ऐसा कहा जाना उचित होगा कि ठेकेदार राजनीतिक दलों के संबंध गहरे होने के साथ उनकी संरक्षण मिलती रहीं तभी तो कांग्रेस काल में भी मंत्री रहे कवासी लखमा के समाने हॉट मिक्स डामर प्लांट से काला ज़हरीली धुआं को अनदेखा किया गया था और अब भी किया जा रहा।

ठेकेदार को डामर प्लांट चलाने की अनुमति रात को भी मिला

अब अफ़सरों की की बात क्या करें उन्होंने तो इस डामर प्लांट चलाने की अनुमति रात के समय दी। कहने का तात्पर्य हैं की शायद इस काले ज़हरीले धूएं का असर रात को कम होता हों। आला अधिकारी ने बताया पास स्कूल होने होने की वजह से ऐसा परमिशन दिया गया था। अब राजस्व विभाग यह क्यों नहीं समझता की यह अवैध प्लांट सरकारी ज़मीन पर हैं इसे हटाने की बजाय दिन और रात करने में लगे हैं। यानी अंधेरी काली रात में डामर प्लांट का काला जहरीला धुवां गायब हो जाता होगा या इसमें कुछ और विज्ञानिक रीजन भी हों सकते हैं जो अफ़सरों और ठेकेदार के संज्ञान में होगा। इधर स्कूल प्रबंधन भी जिला प्रशासन को शिकायत कर चुका है, और परिजनों का कहना है कि डामर प्लांट को हटाकर शहर से बाहर करने की मांग की है। अब प्रशासन इसपर कब तक कार्यवाही करेंगे ये देखना होगा लेकिन अब इसकी शिकयत सीधे प्रदेश की राज्यधानी रायपुर और देश की राज्यधानी दिल्ली के एनजीटी के अफ़सर तक होगी।

अब जनयित रिट याचिका होगी दायर

जनता अब इस तकलीफ़ से बहुत ज्यादा परेशान हैं। लगातार कई संबंधित विभाग और अफ़सरों तक शिकायत के बाद भी कोई हल नहीं निकल पाया अब वे हाई कोर्ट के दरवाज़े खटखटाने का निर्णय लिया हैं। नाम नहीं छापने के शर्त पर वहा पर निवासरत लोगों ने बताया हमारा परिवार बीमार होता हैं हमे अफ़सर इस ज़हरीले धुएं को ऑक्सीजन बताने का कोशिश करते हैं अब साहेब को कौन समझाए की इसे झेलना तो हमी को हैं।

मामला सुकमा डीएम के संज्ञान में

डीएम हरिश एस ने कहा कि इस मामले की जानकारी मिली हैं और राजस्व विभाग को इस डामर प्लांट को हटाने के निर्देश दिए हैं 15 दिवस के भीतर इसे हटाकर शहर से बाहर किया जायेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम का वृक्षारोपण अभियान

जन प्रतिनिधियों, समाज सेवियों तथा अधिकारियों ने लगाये पौधे

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा शहर में वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसका शुभारंभ आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों में जन प्रतिनिधियों, समाज सेवियों तथा अधिकारियों ने पौध रोपण कर किया।

वृक्षारोपण के तहत महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख, नेता प्रतिपक्ष श्री किशुन यदु एवं पार्षदों ने रानी सागर स्थित शनिधाम के पास तथा जिलाधीश श्री संजय अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह व निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता ने कलेक्ट्रेड परिसर के अलावा समाज सेवियों ने नया बस स्टैण्ड, जेल रोड में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाये। वृक्षारोपण के तहत तीनों स्थानों में कदम, जामुन, बदाम, नीम,शिशम, करंज,गुलमोहर, आम, कुशुस,मिलिनटोनिया, कवासा, अर्जुन प्रजाति के लगभग 130 पौधे लगाये गये।

वृक्षारोपण अवसर पर महापौर श्रीमती देशमुख ने उपस्थितजनों को पौध रोपड करने अपील करते हुये कहा कि आज विश्व में सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण बचाने की है। आज के इस घनी आबादी वाले युग में नगर बसाने पेड पौधे बेरहमी के काटे जा रहे है और लगाये नहीं जा रहे है, जिसका परिणाम यह हो रहा है कि पर्यावरण का संतुलन बिगड गया है, जिससे कम वर्षा हो रही है। इसे ध्यान में रखते हुये हम सब को पेड लगाना है। इसके लिये आज हम सब संकल्प ले कि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर एवं आस पास खुले स्थानों पर पौधरोपण करेंगे एवं उसकी रक्षा करेंगे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कलेक्ट्रेड परिसर में कहा कि हमे पौधरोपण करने तक ही सीमित नही रहना है, बल्कि पौधों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी लेनी है और प्रतिदिन पौधों में पानी देना है। उन्होंने कहा कि बागवानी में रूचि लेने वाले एक समूह बनाये और इस उद्यान को सुंदर एवं हरा भरा बनाये। जिला पंचायत सी.ई.ओ. सुरूचि सिंह ने भी पर्यावरण संरक्षक के लिये पौधरोपण करने की अपील की, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों में पौधरोपण कर उसे सिंचित करे ताकि वृक्ष का रूप ले सके। जल संरक्षण के लिये सोख्ता गड्ढा बनाये। निगम आयुक्त श्री गुप्ता ने कहा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज शहर में वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत आज अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों के द्वारा विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपित किये जा रहे है। वर्षा ऋतु में शहर के विभिन्न स्थानों में भी वृक्षारोपण किया जायेगा। पूर्व में निगम द्वारा शहर में 4-5 वर्षो से वृक्षारोपण के तहत विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे गये जिनमें से लगभग 75 प्रतिशत पौधे जीवित है और वृक्ष का रूप ले लिये है। उन्होने सभी से पर्यावरण संरक्षण के लिये आज के इस पावन अवसर पर पौधे लगाने संकल्प लेने की अपील की।

निगम द्वारा विभिन्न स्थानों में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में बडी संख्या में उपस्थिति होकर अधिकारी कर्मचारी, जन प्रतिनिधि, समाजसेवियों ने पौधरोपण किये।

गोदाम में रखे सेन्ट्रींग प्लेट सामान को चोरी करने वाले चोरों को पकड़ने में डोंगरगढ़ पुलिस कामयाब

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

प्रार्थी अनिल कुमार गट्टानी पिता स्व0 प्रकाशचंद गट्टानी उम्र- 58 साल निवासी डोंगरगढ़ के गोदाम इंदिरा नगर, बीड़ी कालोनी के पास डोंगरगढ़ में स्थित है जिसके अन्दर पीछे भाग में लगभग 150 नग लोहे का सेन्ट्रिंग प्लेट एवं 60 नग लोहे का पाईप, लोहे का चैन, एंगल के अलावा ठेकेदारी से जुड़े अन्य सामान किमती लगभग- 120000/-रू0 को रखा हुआ था। प्रार्थी दिनांक- 02.06.2024 को सुबह गोदाम गया तो देखा कि गोदाम में रखे सेन्ट्रींग सामन चोरी हो गया है। जिसकी रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्र0- 316/2024 धारा- 457, 380, 411 भादवि0 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अज्ञात आरोपी के पता तलाश एवं विवेचना हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव श्री मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा व श्रीमान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय डोंगरगढ़ श्री आशिष कुंजाम से विवेचना हेतु दिशा-निर्देश प्राप्त कर तत्काल निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये अलग-अलग टीम बना कर घटना क्षेत्र के संदेहियों से पुछताछ कर एवं तकनिकी साक्ष्य की मदद से अज्ञात आरोपियों के पता तलाश में जुट गये।

जिससे सेन्ट्रींग प्लेट चोरी करने वाले आरोपी 01. उज्जवल शेण्डे पिता सुनील शेण्डे उम्र- 24 साल निवासी डोंगरगढ़, 02. राजू मेश्राम पिता स्व0 दौलत मेश्राम उम्र- 35 साल निवासी डोंगरगढ, 03. सरताज हुसैन पिता स्व0 ईकबाल हुसैन उम्र- 24 साल साकिन अछोली थाना डोंगरगढ़ एवं 02 नाबालिग बालाकों को पकड़कर चोरी के सेन्ट्रींग प्लेट सामानों को जप्त कर आरोपीगण को गिरफ्तार कर एवं अपचारी बालकों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

अमृत सरोवर तालाब स्थल पर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल द्वारा जिले के जनपद पंचायत राजनांदगांव के ग्राम पंचायत आरला स्थित अमृत सरोवर का निरीक्षण कर ग्रामवासियों के साथ पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण में सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल को ग्राम पंचायत में पानी की समस्या के संबंध में अवगत कराया गया। जिस पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने उपस्थित ग्रामवासियों को उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे हमारे खाते में जो राशि उपलब्ध है, उसे हम निरंतर खर्च करते रहेंगे और खाते में कोई नई राशि जमा नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे खाते में राशि खत्म हो जायेगी एवं खाता खाली हो जायेगा। उसी प्रकार हमारी धरती के अंदर जो जल के स्त्रोत जमा हैं, वो हमारे खाते के पैसे की तरह हैं और आज हम उसे लगातार खाली कर रहे हैं। यदि नया जल धरती में जमा नहीं किया जायेगा तो आज नहीं तो कल यह जल खत्म हो जायेगा। सेंण्ट्रल ग्राऊंड वाटर बोर्ड की एक रिपोर्ट अनुसार राजनांदगांव जिले के 3 विकासखण्ड जल स्तर के क्षेत्र में सेमी क्रिटीकल जोन अर्थात भू-जल के स्तर में कमी के क्षेत्र में आ चुके हैं, जिसके लिए हमें निरंतर भू-जल का उपयोग किया जाना है। आज हम सभी किसान परिवार धान की खेती के लिए निरंतर भू-जल का उपयोग कर रहे है, जो कि हमारे कल के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। हम सभी किसानों को मिलजुल कर यह प्रयास करना चाहिए कि ऐसी फसलों को चुने जिसमें पानी की कम से कम मात्रा का उपयोग हो तथा आय अधिक से अधिक हो सके।

अर्थात धान के बदले अन्य फसलों पर विचार किया जाना अनिवार्य हो गया है। जिस पर ग्रामीणों ने उनकी बातों पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए आने वाले समय में सिंचाई के लिए बोर के उपयोग में कमी लाने का निर्णय लिया।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह द्वारा जिले में चल रहे मिशन जल रक्षा अंतर्गत वर्षा जल का संरक्षण भू-जल संवर्धण एवं वृक्षारोपण की कार्ययोजना के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी प्रदान की गई तथा जिले में निरंतर चल रहे जल संरक्षण, स्वच्छता एवं फसल संगोष्ठी विषय पर चर्चा करते हुए ग्रामीणों को क्षेत्र में भू-जल संवर्धन हेतु निर्माण किये जा रहे मिनी परकोलेशन टैंक, स्टेग्रड ट्रैण्च, डबरी, तालाब, रिचार्ज साफ्ट, इंजेक्शन वैल से होने वाले रिचार्ज के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। जिला पंचायत सीईओ ने ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं संवर्धन तथा स्वच्छता के कार्यो को अभियान के रूप में लेने की अपील की तथा ग्राम पंचायत आरला के भू-जल संवर्धन हेतु तैयार किये गये नक्शे का विस्तृत विवरण देते हुए कार्यो में भाग लेने हेतु ग्रामीणें से अनुरोध किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मनरेगा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वन विभाग ने वृक्षारोपण कर मनाया पर्यावरण दिवस, पर्यावरण बचाने लिया शपथ

श्रमबिन्दु / फरसगांव

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 5 जून बुधवार को वनमण्डल केशकाल अन्तर्गत उपवनमंडल फरसगांव परिक्षेत्र फरसगांव के ग्राम पंचायत चिचाड़ी में वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने जनपद सदस्य, सरपंच, पंच, सचिव, ग्राम प्रमुख गायता पुजारी पटेल, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों की उपस्तिथी में ग्राम चिचाड़ी के आंगनबाड़ी केंद्र, ग्राम पंचायत परिसर में माध्यमिक शाला प्रांगण में फलदार-फूलदार पौधा वृक्षारोपण किया गया और साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतू शपथ ग्रहण कर आमजनों को पर्यावरण संरक्षण एवं इनके महत्वों के बारे में जागृत किया गया । इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी आर एस यादव, बाबु डेवेन्द्र साहू, डिप्टी रेंजर निराकार ठाकुर, सुशीला नेताम, संध्या नाग, यशवंत नायक, डोमार नेताम, अनिल मरकाम, फारेस्ट गार्ड, महेन्द्र मंडावी, सरिता मरकाम, श्रवण नेताम, हरिलाल नेताम, तेनसिंग भोयर सहित अन्य लोग उपस्तिथ रहे ।

विजय बघेल को जीत की बधाई देने निवास पर लगा कार्यकर्ताओं का तांता

श्रमबिन्दु / दुर्ग

दुर्ग लोकसभा से लगातार दूसरी बार रिकॉर्ड मतों से निर्वाचित भाजपा प्रत्याशी रहे विजय बघेल को बधाई देने आज उनके सेक्टर 5 निवास पर लोगों का तांता लगा रहा। दुर्ग जिला सहित लोकसभा क्षेत्र में शामिल बेमेतरा जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ सुबह से ही उनके निवास पर जुटी रही।

अलग.अलग समाज के प्रतिनिधि मंडल ने भी श्री बघेल से मुलाकात कर अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान सभी आगंतुकों का बघेल परिवार के सदस्य और समर्थक मुंह मीठा कराते रहे।

भाजपा प्रत्याशी के रूप में विजय बघेल ने दुर्ग लोकसभा से लगातार दूसरी बार चुनाव जीता है। इस बार उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू को 4 लाख 38 हजार 226 मतों के अंतर से हराया है। विजय बघेल को 9 लाख 56 हजार 497 मत मिले। वहीं राजेन्द्र साहू 5 लाख 18 हजार 271 मत ही प्राप्त करने में सफल रहे। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में विजय बघेल ने 3 लाख 91 हजार 978 मतों के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी रही श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर को पराजित कर छत्तीसगढ़ में नया रिकॉर्ड बनाया था। इस बार कांग्रेस ने साहू समाज से प्रत्याशी उतारा तो राजनीतिक पंडित पिछले बार से लीड कम रहने का अनुमान लगा रहे थे।

दुर्ग लोकसभा से दूसरी बार निर्वाचित होने के पहले दिन विजय बघेल के सेक्टर 5 निवास पर रौनक देखने लायक रही। कुछ समर्थक और भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे भी नजर आए जो श्री बघेल के सुबह जागने से पहले ही निवास पर आ धमके थे। श्री बघेल ने समर्थकों को ज्यादा इंतजार नहीं कराया और भीड़ जुटने की जानकारी मिलते ही तैयार होकर बैठक परिसर में आ गए।

बारी बारी से लोगों ने मुलाकात करते हुए श्री बघेल को रिकॉर्ड जीत की बधाई दी। भिलाई.3 मुस्लिम समाज के लोगों ने भी उन्हें गुलदस्ता भेंट कर मुबारकबाद दी। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर अलग.अलग समाज प्रमुखों ने अपने पदाधिकारियों के साथ मिलकर श्री बघेल को बधाई दी।

व्यवसायियों को माल परिवहन पर ई-वे बिल जनरेट करना होगा आवश्यक

श्रमबिन्दु / दुर्ग

वाणिज्यिक कर जीएसटी विभाग दुर्ग संभाग द्वारा विभिन्न व्यापारी संगठनों, दुर्ग चेम्बर ऑफ कॉमर्स की बैठक लेकर जीएसटी से संबंधित भ्रांतियों तथा ई-वे बिल जारी करने से दी गई छूट को समाप्त करने वाली अधिसूचना 24 मई 2024 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। दुर्ग संभाग की संयुक्त आयुक्त श्रीमती भावना अली, उपायुक्त राज्य कर श्री रामनरेश चौहान तथा सहायक आयुक्त राज्य कर श्री जीतेश कुमार द्वारा व्यापारी वर्गों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान किया गया। विभाग द्वारा व्यापारी वर्गों को जानकारी दी गई कि वाणिज्यिक कर विभाग के मुताबिक राज्य में व्यवसायियों के लिये अब 50 हजार रूपये मूल्य से अधिक के माल का परिवहन करने पर ई-वे बिल जनरेट करना आवश्यक होगा। पूर्व में राज्य के अन्दर केवल 15 वस्तुओं को छोड़कर बाकि वस्तुओं में ई-वे बिल छूट दी गई थी, जबकि दो-तीन राज्यों को छोड़कर भारत के सभी राज्यों में ई-वे बिल का नियम पहले से ही लागू है। छूट को समाप्त किये जाने का सबसे अधिक लाभ उन व्यवसायियों को होगा जो ईमानदारी से टैक्स जमा करते हैं, लेकिन सर्क्युलर ट्रेडिंग या बोगस बिल जारी करने वालों के कारण उन्हें आईटीसी का लाभ नहीं मिल पाता है। ई-वे बिल के प्रावधान लागू होने से सर्क्युलर ट्रेडिंग, बोगस बिल व टैक्स चोरी की प्रवृत्तियों पर अंकुश लगेगा।

खास खबर

तीन दिवसीय नाड़ी परीक्षण शिविर 11 से

भिलाई। तीन दिवसीय नाड़ी परीक्षण शिविर का आयोजन 11, 12 और 13 जून 2024 को श्री श्री डिवाइन शॉप कोहका-जुनवानी रोड विनोबा नगर में सुबह 10 से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। शिविर में डॉ. रवि पाराशर सामान्य से लेकर असाध्य रोगों का इलाज आयुर्वेदिक पद्धति से करेंगे। शिविर संयोजक सी.लक्ष्मी ने बताया कि नाड़ी परीक्षण हेतु खाली पेट अथवा भोजन के तीन घंटे बाद आ सकते हैं। इस अंतराल में जल का सेवन किया जा सकता है।

प्रयास आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिले को किया गौरवान्वित

दुर्ग। प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक 500 विद्यार्थियो को नि:शुल्क अध्ययन के साथ ही साथ कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2023-24 में कक्षा 12वीं में अध्ययनरत विज्ञान विषय के 64 विद्यार्थी नीट परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिसमें से 34 विद्यार्थी नीट में क्वालीफाईड हुए है, 04 विद्यार्थियों का एम.बी.बी.एस. में चयन संभावित है। उक्त परीक्षा परिणाम से विभाग एवं जिला प्रशासन गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उक्त परीक्षा की तैयारी में कलेक्टर सुश्री चौधरी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री हेमंत सिन्हा, प्रशासकीय अधिकारी एवं अध्यापन हेतु चयनित संस्था ष्गुरुकृपा कैरियर इंस्टीट्यूटष् का अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही अपर कलेक्टर श्री अरविन्द एक्का व संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश सिंह मिरी का विशेष सहयोग रहा। प्रशासन एवं चयनित संस्था द्वारा प्रात: 6 बजे से शाम 5.30 बजे तक अध्यापन एवं कोचिंग के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास एवं विभिन्न क्रियाकलाप, व्यक्तिगत रुचि लेते हुए पूर्ण किए जाने का ही परिणाम है जो उक्त बहुत अच्छा परीक्षा परिणाम प्राप्त हुआ है।

मृतक के परिजनों को मिली 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर ने दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एच.एस.सी.एल. कालोनी स्टेशन मरोदा वार्ड तहसील एवं जिला दुर्ग निवासी श्री डिबरू आलडा की विगत 14 जनवरी 2023 को आग से जलने से मृत्यु हो गयी थी। इसी प्रकार वार्ड 64 नेवई बस्ती तहसील व जिला दुर्ग निवासी श्री रवि निषाद की विगत 25 सितम्बर 2023 को नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. डिबरू आलडा के भाई श्री विश्वनाथ आलडा को एवं स्व. श्री रवि निषाद के पिता श्री छबिलाल निषाद को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन हेतु जिला कार्यालय दुर्ग में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने मानसून सत्र को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ एवं आपदा की स्थिति में प्रबंधन हेतु जिला कार्यालय, अनुविभाग कार्यालय, तहसील कार्यालय, नगर निगम, दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई-चरोदा, भिलाई-3 व जिला सेनानी एवं नगर सेना दुर्ग में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जाने के निर्देश दिए है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 1 जून 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक 24 घंटे स्थापित रहेंगे। समस्त अधिकारी कर्मचारियों की बाढ़ नियंत्रण कक्ष में शिफ्टवार ड्यूटी लगाकर कंट्रोल रूम के फोन नंबर की सूचना फ्लक बनाई जाएगी। जिला कार्यालय के बाढ़ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 07882320601 एवं तहसील स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर संभावित बाढ़ प्रभावित ग्रामों की ग्राम पंचायत/शाला भवनों में लिखवाए जाएंगे एवं संभावित बाढ़ प्रभावित ग्राम में पदस्थ शासकीय कर्मचारी व ग्राम के प्रमुख व्यक्तियों के मोबाइल नंबर नियंत्रण कक्ष में रखे जाएंगे। ज्ञात हो कि इस सिलसिले में कलेक्टर सुश्री चौधरी की अध्यक्षता में विगत 21 मई 2024 को कार्यालय कलेक्टर के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें उन्होंने इस वर्ष भारी मात्रा में वर्षा होने की जानकारी देते हुए संबंधित विभाग प्रमुखों को जिले के सभी तहसीलों, नगरीय निकायों में कंट्रोल रूम स्थापित करने, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति एवं बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में बाढ़ आने की स्थिति में प्रभावितों को शिफ्टिंग हेतु स्थाई राहत कैंप चिन्हांकित कर भोजन इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

सेल-बीएसपी में हुआ विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस पर वॉकथॉन और वृहद वृक्षारोपण

श्रमबिन्दु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने पर्यावरण सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। प्रत्येक वर्ष की तरह, इस वर्ष भी बीएसपी ने इस्पात बिरादरी व भिलाई के नागरिकों के बीच पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग (टीएसडी) के उद्यानिकी अनुभाग द्वारा, बीएसपी हायर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-08 में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल परिसर में आयोजित इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता के मुख्य आतिथ्य में लगभग 400 पौधे लगाए गए। मुख्य अतिथि श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने अपने संबोधन में विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह हमारी और विशेषकर बच्चों की जिम्मेदारी है कि हम धरती को हरा भरा और प्रदूषण मुक्त रखें। हमें एक वृक्ष को एक पूर्ण इको सिस्टम समझना चाहिए और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 400 से भी अधिक वृक्ष लगाने पर उतनी ही अधिक संख्या में इको सिस्टम हमें प्राप्त होंगे। हम सभी को उपलब्ध खाली भूमि पर वृक्ष लगाने की कोशिश जारी रखनी चाहिए एवं अपने परिसर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना चाहिए। वृक्ष, वातावरण से कार्बन डाई-ऑक्साइड अवशोषित कर और बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन प्रदान करके विश्व को प्रदूषित होने से बचाते हैं, जिससे हर जीव लाभान्वित होता हैद्य अत: वृक्षारोपण हमारे लिए अत्यावश्यक है।

इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यपालक निदेशकगण एवं गणमान्य अतिथियों ने अपने संबोधन में विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करने हेतु प्रेरित किया।

तदोपरांत मुख्य अतिथि, विशेष अतिथियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, विश्वकर्मा अवार्ड प्राप्त श्रमवीरों, शिक्षा विभाग, वन विकास निगम के अधिकारी व कर्मचारी, एनसीसी एवं स्कूली बच्चों द्वारा आम, अमरुद, कटहल, जामुन, नीम, अशोक, बादाम, आंवला, करंज, केशिया सहित विभिन्न प्रजाति के 400 से भी अधिक पौधे रोपित किये गए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (टीएसडी एवं सीएसआर) श्री जे वाय सपकाले ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम का संचालन क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के श्री सुप्रियो सेन द्वारा किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस-2024 के अवसर पर संयंत्र के अन्य विभागों में भी पौधारोपण अभियान और पर्यावरण सम्बंधित अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गयीं।

विश्व पर्यावरण दिवस वॉकथॉन

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम 2024 के आरम्भ में सर्वप्रथम 5 जून प्रात:काल 7रू00 बजे बीएसपी कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित वॉकथॉन में भाग लिया, जिसे कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वॉकथॉन इस्पात भवन से प्रारम्भ होकर इक्विपमेंट चैक से होते हुए एचआरडी सेंटर पर समाप्त हुई।

भिलाई महिला समाज ने किया वृक्षारोपण

श्रमबिन्दु / भिलाई

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, भिलाई महिला समाज (बीएमएस) द्वारा 05 जून 2024 को सेक्टर-1 स्थित मसाला, साबुन और स्टेशनरी इकाई में भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती नीरजा कुमारी सिंह, अतिरिक्त उपाध्यक्ष श्रीमती प्रणोति मुखोपाध्याय, महासचिव श्रीमती साधना गोयल, सह सचिव सोनाली रथ, कोषाध्यक्ष शिखा जैन तथा सह कोषाध्यक्ष दीपन्विता पाल सहित भिलाई महिला समाज की अन्य सहयोगी सदस्य भी उपस्थित थीं। इसके साथ ही श्रीमती रीता, श्रीमती पूनम, श्रीमती रुखसाना, श्रीमती नीलीमा, श्रीमती सुष्मिता, श्रीमती सपना और बीएमएस के विभिन्न क्लबों और इकाइयों के अन्य सदस्यों ने भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त सदस्यों ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आम, अमरूद, नीम, आंवला आदि विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया ज्ञात हो कि भिलाई महिला समाज भिलाई की सबसे पुरानी महिला संगठनों में से एक है, जिसकी स्थापना 4 अगस्त, वर्ष 1959 को की गई थी। भिलाई महिला समाज, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देष्य से रोजगार प्रदान करती है तथा अपने प्रयासों से महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

भीषण गर्मी से बचने का एक ही उपाय,हर नागरिक वृक्षारोपण की ओर कदम बढ़ायें

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस की पूरे शहर वासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाओं के साथ शहर को हरा-भरा करने प्रत्येक व्यक्ति वृक्षारोपण की ओर कदम बढ़ायें।पर्यावरण प्रकृति से प्राप्त एक अनमोल धरोहर है! हमारा कर्तव्य है कि हम अपने शहर के पेड़-पौधों को सुरक्षित कर शहर को हरा-भरा बनायें।उक्त बातें आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर विधायक गजेंद्र यादव,महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं प्रभारी सत्यवती वर्मा,पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा,सहायक अभियंता वीपी मिश्रा,उद्यान प्रभारी अनिल सिंह समेत अन्य लोगो ने पोटिया चौक अमृत मिशन गार्डन के किनारे में वृक्षारोपण किये।इस अवसर सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल का कहना है कि स्वच्छ पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी है। जितने अधिक पौधे होंगे उतना पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। आज लोगों को भीषण गर्मी से जूझना पड़ रहा है। इससे बचने का एक ही रास्ता अधिक से अधिक पेड़ लगाएं।गार्डन में छायादार के साथ फलदार पौधे लगाये गये।

व्ही वाय हॉस्पिटल को बंद कराने में नोडल अधिकारी की साजिश

श्रमबिन्दु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें ष्टरू।ह्र दफ्तर दुर्ग के अधिकारियों के गलत कार्रवाई और कलेक्टर को गुमराह में रखने के कारण शहर के एक प्रतिष्ठित अस्पताल को बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया। व्ही वाय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. विश्वनाथ यादव ने शासन को गुमराह कर गलत कार्रवाई करने वाले CMHO दुर्ग डॉ. जेपी मेश्राम तथा नोडल अधिकारी डॉ. अनिल शुक्ला को सस्पेंड करने की मांग की है। वहीं अगर शासन द्वारा उच्च स्तरीय जांच की जाती है तो कई CMHO दफ्तर के कई अधिकारियों की नौकरी खतरे में पड़ सकती है। व्ही वाय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. विश्वनाथ यादव ने कहा कि CMHO दफ्तर ने गलत कार्रवाई कर व्ही वाय हॉस्पिटल को बदनाम किया है। अगर ऐसा ही तानाशाही चलता रहा तो भविष्य में कोई भी निजी अस्पताल गर्भवती मरीज को भर्ती नहीं लेगा।

बता दें कि एक गर्भवती महिला को

व्ही वाय हॉस्पिटल में उसके परिजनों ने गंभीर स्थिति में भर्ती कराया. महिला को जब अस्पताल में भर्ती कराया गया उस समय गर्भ में बच्चा 10 दिन पहले ही मर चुका था. मल्टी ऑर्गन फेलियर सेप्टिसीमिया के कारण महिला मरीज के शरीर के सारे अंग काम करना बंद कर दिया था। किडनी, लीवर फेल होने के साथ ही ब्लड में इन्फेक्शन 24000 से ज्यादा फैल चुका था. इस वजह से भर्ती करने के कुछ समय बाद ही महिला की मौत हो गई थी। महिला का इलाज इसके पहले धमधा के शासकीय अस्पताल में 7 माह तक हुआ था. CMHO डॉ. जेपी मेश्राम के नोटिस का जवाब देने के बावजूद नोडल अधिकारी डॉ. अनिल शुक्ला ने उसी नोटिस को दोबारा भेज दिया। वहीं कलेक्टर से व्ही वाय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. विश्वनाथ यादव को जानकारी प्राप्त हुई की उन्हें 20 हजार का नोटिस भेजा गया था जो उन्हें मिला ही नहीं. ये नोटिस ष्टरू।ह्र दफ्तर में दबाकर रखा गया था, जिसे सूचना के अधिकार RTI के तहत प्राप्त किया गया लेकिन किसी तरह का पोस्टल रिसिप्ट आज तक नहीं दिया गया. इस प्रकार ष्टरू।ह्र दुर्ग डॉ. जेपी मेश्राम तथा नोडल अधिकारी डॉ. अनिल शुक्ला ने कलेक्टर व शासन को गुमराह करते हुए कार्रवाई कर अस्पताल को बंद करा दिया।

मजे की बात है कि व्ही वाय हॉस्पिटल के जिस लाइसेंस को रद्द किया गया है वह पहले से निरस्त है. जानकारी के अनुसार व्ही वाय हॉस्पिटल द्वारा वर्ष 2019 को 14 बिस्तर अस्पताल का लाइसेंस लिया गया था। वर्ष 2021 में इस लाइसेंस को निरस्त कर 22 बिस्तर अस्पताल का नया लाइसेंस लिया गया ताकि आयुष्मान कार्ड का लाभ मरीजों को मिल सके क्योंकि 14 बिस्तर अस्पताल में आयुष्मान कार्ड की सुविधा नहीं मिलती है। ष्टरू।ह्र दफ्तर के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा साल 2019 के निरस्त लाइसेंस को फिर से निरस्त किया गया. इस प्रकार व्ही वाय हॉस्पिटल पर की गयी कार्रवाई संदेह के घेरे में है. व्हीवाई अस्पताल पदमनाभपुर दुर्ग के संचालक डॉ. विश्वनाथ यादव ने बताया कि दिनाक 29.06.2023 दोपहर करीब 3 बजे मरीज श्रीमती दिलेश्वरी साहू पति महेन्द्र साहू निवासी धमधा दुर्ग को मेरे अस्पताल में Multi organ failure (Septicemia) के इलाज हेतु भर्ती किया गया था। जिसके ईलाज के पूर्व मेरे द्वारा उसके पति को बताया गया कि मरीज की हालत नाजुक है, तथा बचने की संभावना नहीं है। क्योंकि उसके पेट में सात महीने का गर्भ 10 दिन पहले से ही मृत हो गया था। मरीज के पति के द्वारा हाई रिस्क फार्म भर कर ईलाज हेतु सहमति दिया जिसके पश्चात मेरे द्वारा ईलाज शुरु किया गया। किन्तु हालत बिगडने पर लगभग मरीज को रात 12 बजे के बाद वेंटिलेटर में डालना पड़ा। उनके पति को यह जानकारी भी दी गई, लेकिन मरीज की मृत्यु ईलाज के दौरान सुबह 4.10 मिनट को हो गई।

मरीज का सेप्टिसीमिया प्रॉब्लम के कारण किडनी, लीवर खराब होने के साथ ही ब्लड के इन्फेक्शन 24 हजार के पर हो गया था। शरीर के सारे अंग काम करना बंद कर दिया था। इस कारण महिला मरीज की मौत हो गई। इसकी जानकारी नियमानुसार नगर निगम, दुर्ग को हमारे द्वारा दिया गया। इसके बाद हमें दिनांक 6 दिसम्बर 2023 को जिला एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमएचओ), दुर्ग के द्वारा कारण बताओ नोटिस प्रदान किया गया।

स्वामी / प्रकाशक / शिव श्रीवास्तव द्वारा विकास प्रकाशन 208 आकाशगंगा भिलाई से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-दिलीप श्रीवास्तव, जगदलपुर स्थानीय संपादक - अर्जुन झा * पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-पुरेन्द्र देशमुख। फोन : 07883558190, मो. 9425228630